कमल संदेश

‘मनोहर सरकार ने गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के तंत्र पर ताला जड़कर राज्य की जनता को न्याय दिया है’

वर्ष-14, अंक-20   16-31 अक्टूबर, 2019 (पाक्षिक)   ₹20

‘हमारी सफलता से विश्व अचंभित है’

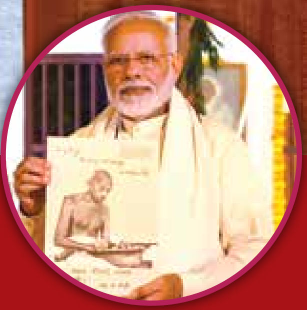

‘ग्रामीण भारत अब खुले शौच से मुक्त’

दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

सोलापुर (महाराष्ट्र) में 'महाजनादेश संकल्प यात्रा' के अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का स्वागत करते महाराष्ट्र भाजपा नेतागण

मंडी (हिमाचल) में एक जनसभा के दौरान भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार व अन्य का स्वागत करते हिमाचल भाजपा नेतागण

मुंबई में नए युद्धपोत 'नीलगिरि' के जलावतरण के अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली में खादी केंद्र पर ईको-फ्रेंडली बम्बू बॉटल व अन्य उत्पादों को लांच करते केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोनः +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्सः +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
वेबसाइटः www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

खुले में शौच से मुक्त हुआ ग्रामीण भारतः नरेन्द्र मोदी

06

अब ग्रामीण भारत खुले में शौच से मुक्त हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में 2 अक्टूबर को देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया। उन्होंने कहा कि केवल शौचालयों का निर्माण ही काफी नहीं है, बल्कि इनके इस्तेमाल को आदत का हिस्सा बनाना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा...

वैचारिकी
यह मेरा नहीं सबका है और इसलिए राष्ट्र का है 17

श्रद्धांजलि
भैरोंसिंह शेखावत / के. आर. मलकानी 19

लेख
भारत और दुनिया को क्यों है गांधी की जरूरत? 20
पश्चिम बंगाल में विभाजन और झूठ की राजनीति से मुकाबला 22

अन्य
'मनोहर सरकार ने गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के तंत्र पर ताला जड़कर राज्य की जनता को न्याय दिया है' 12
अब शहीदों के परिजन को चार गुना आर्थिक मदद, 2 से 8 लाख रुपये हुई राशि 14
भारत ने युद्ध नहीं बुद्ध दिएः नरेन्द्र मोदी 24
'भारत में है डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड एवं डिसाइवनेस' 26
'आयुष्मान भारत' देश के क्रांतिकारी कदमों में से एकः नरेन्द्र मोदी 28
भारत, बांग्लादेश ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये 29
दिल्ली-कटरा 'वंदे भारत' रेलगाड़ी से जम्मू कश्मीर के विकास को गति मिलेगीः अमित शाह 30
दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के डासना-हापुड़ खंड का उद्घाटन 31
रडार को मात देने वाला युद्धपोत 'आईएनएस नीलगिरि' का जलावतरण 32
'नये तरह के नशे से युवाओं को बचाने के लिए ई-सिगरेट पर लगाया गया प्रतिबंध' 33

11 एनआरसी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है और इसे हर हाल में लागू किया जाएगाः अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री...

13 अनुच्छेद 370 के हटने से कश्मीर के लोगों को मिले मौलिक अधिकारः जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पश्चिम बंगाल के...

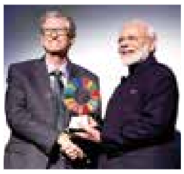

15 स्वच्छ भारत अभियान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'ग्लोबल गोल कीपर अवार्ड' से सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल एंड मिलिंडा गेट्स...

16 भारत को फ्रांस से मिला पहला राफेल लड़ाकू विमान

भारत ने फ्रांस से पहला राफेल विमान 8 अक्टूबर को प्राप्त किया। फ्रांस से खरीदे गये 36 राफेल लड़ाकू...

प्रकाशक एवं मुद्रकः डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

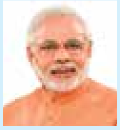

आयुष्मान भारत, नए भारत के क्रांतिकारी कदमों में से एक है। सिर्फ इसलिए नहीं क्योंकि ये देश के सामान्य मानवी के, गरीब के जीवन को बचाने में अहम भूमिका निभा रही है, बल्कि इसलिए भी क्योंकि ये भारत के 130 करोड़ लोगों के सामूहिक संकल्प और सामर्थ्य का भी प्रतीक है।

@AmitShah

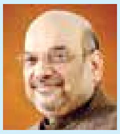

पाकिस्तान सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के सबूत मांगता है और राहुल गांधी भी इसके सबूत मांगते हैं। पाकिस्तान भी धारा 370 और 35A को हटाने का विरोध करता है और राहुल गांधी भी इसका विरोध करते हैं। मुझे समझ नहीं आता कि हर बार राहुल गांधी और पाकिस्तान की सोच एक क्यों होती है?

@JPNadda

हम 70 साल से ये नारा लगाते रहे हैं कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो संविधान नहीं चलेंगे। अब हम गर्व महसूस कर सकते हैं कि 'एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक संविधान का सपना सच हो गया है।

facebook

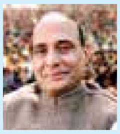

हमने 370 और 35A को समाप्त करके यह दिखा दिया कि देश में ऐसी राजनीतिक पार्टी की सरकार चल रही है जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं है। पाकिस्तान को 1965 और 1971 याद रखना चाहिए। पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि 71 की गलती फिर से मत दोहराना, नहीं तो पीओके का क्या होगा अच्छी तरह समझा लेना।

— राजनाथ सिंह

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में पाल परिवार हत्याकांड की मैं घोर भर्त्सना करता हूं। इन हत्याओं के पीछे ज़िम्मेदार दरिंदों को जल्द से जल्द पकड़ा जाना चाहिए। साथ ही मैं बंगाल की जनता से भी आग्रह करता हूं कि ममता सरकार को उखाड़ फेंकने के अभियान में शामिल हों।

— शिवराज सिंह चौहान

हरिद्वार में सीआईआई के सहयोग से आयोजित "उत्तराखंड इंडस्ट्रियल समिट-2019" का उद्घाटन किया। ज्यादा से ज्यादा निवेश से उत्तराखंड में उद्योग बढ़ेंगे, रोजगार के अवसरों के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था भी बढ़ेगी। हमारी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल से अब तक पर्वतीय क्षेत्रों के लिए 40 हजार करोड़ के एमओयू हो चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा GST दरों व कॉर्पोरेट दरों में कटौती से राज्य में और अधिक निवेश की संभावनाएं जगी हैं।

— त्रिवेन्द्र सिंह रावत

खुले शौच से मुक्ति एक बड़ी उपलब्धि

भारत अब 'खुले शौच से मुक्त' देश बन चुका है। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर इस बड़ी उपलब्धि की घोषणा उनके विचारों एवं आदर्शों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2019 को, जब पूरा देश महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा था, इसकी घोषणा कर देश को पुनः एक बार गौरवान्वित किया है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसने हर भारतीय में उत्साह का संचार किया है, जिसकी हर ओर भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है और जिससे पूरा देश आत्मविश्वास से भर उठा है। यह उपलब्धि इस बात को प्रमाणित करती है कि यदि किसी लक्ष्य को पूरे समर्पण से प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है तो वह लक्ष्य अवश्य सिद्ध होता है। वर्ष 2014 में जब पांच वर्षों में 10 करोड़ शौचालय के निर्माण के लक्ष्य से 'स्वच्छ भारत मिशन' शुभारंभ हुआ था, तब यह लक्ष्य अत्यंत दुष्कर एवं कठिन मालूम पड़ता था। परंतु मोदी–सरकार की उपलब्धियां इतनी बड़ी है तथा समय से पूर्व लक्ष्य प्राप्ति का रिकार्ड इतना मजबूत कि इस लक्ष्य को भी महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर दस करोड़ की जगह ग्यारह करोड़ शौचालय निर्माण करके पूरा कर लिया गया। एक गौरवपूर्ण देश ने महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

भारत आज अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए तीव्र गति से आगे बढ़ चला है। संयुक्त राष्ट्र को अपने संबोधन में इसी दायित्वबोध का प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण पर अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। वह भी तब जब भारत को विकसित देशों की तुलना में जवाबदेह नहीं बनाया जा सकता। इसी प्रतिबद्धता का प्रतिफल है कि आज पूरे देश को सिंगल–प्लास्टिक उपयोग की वस्तुओं से मुक्त करने के लिए सशक्त अभियान चल रहा है। साथ ही, अक्षय ऊर्जा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए 450 गीगावाट ऊर्जा का उत्पादन लक्ष्य के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय सौर्य गठबंधन भी भारत की पहल का ही परिणाम है। एक ओर जहां गरीब, युवा, महिला, किसान, मजदूर, अनु.जा., अनु.ज.जा, पिछड़ा एवं समाज के अन्य कमजोर वर्गों का व्यापक स्तर पर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सशक्तिकरण हो रहा है, भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अनेक अंतरराष्ट्रीय विषयों पर पहल कर रहा है। जहां मोदी सरकार गरीब से गरीब व्यक्ति के आंसुओं को पोंछने को कटिबद्ध है, वहीं यह एक महान देश का आधार भी तैयार कर रही है जो वैश्विक समस्याओं का समाधान बन सके।

> वर्ष 2014 में जब पांच वर्षों में 10 करोड़ शौचालय के निर्माण के लक्ष्य से 'स्वच्छ भारत मिशन' शुभारंभ हुआ था, तब यह लक्ष्य अत्यंत दुष्कर एवं कठिन मालूम पड़ता था। परंतु मोदी–सरकार की उपलब्धियां इतनी बड़ी है तथा समय से पूर्व लक्ष्य प्राप्ति का रिकार्ड इतना मजबूत कि इस लक्ष्य को भी महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर दस करोड़ की जगह ग्यारह करोड़ शौचालय निर्माण करके पूरा कर लिया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले पांच वर्षों में अनगिनत उपलब्धियां प्राप्त की हैं। ये वैसी उपलब्धियां हैं जो कुछ वर्ष पूर्व तक अप्राप्य दिखती थी और आलोचक इन्हें असंभव कहकर इनकी आलोचना करते थे। परंतु यह देश का सौभाग्य है कि इन सब आलोचकों को निरंतर मुंह की खानी पड़ी है और मोदी सरकार न केवल लक्ष्य से अधिक सिद्ध कर रही है, बल्कि समय से पूर्व ही सभी उपलब्धियां प्राप्त कर रही हैं। अनेक योजनाएं जैसे स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, आयुष्मान, इन्द्रधनुष, उजाला और भी कई ऐसे अभिनव पहलों से देश के आम जन–जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। ऐसी ही अद्भुत उपलब्धियों के कारण विश्व आज भारत को अचंभे से देख रहा है और इन पहलों की भरपूर सराहना भी कर रहा है। यह भारत के 130 करोड़ जनता की शक्ति का ही परिणाम है कि जब भारत के प्रधानमंत्री वैश्विक मंचों पर अपने विचार रखते हैं तो पूरी दुनिया उनकी बातों को ध्यान से सुनती है। भारत अब दुनिया भर में भरोसे और सम्मान के साथ अपना स्थान बना रहा है। 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम की भारी सफलता इसका जीता–जागता उदाहरण है। संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के विचार तथा विश्व समुदाय के प्रति देश के दायित्वबोध को बखूबी रखा तथा साथ ही देश की प्राथमिकताओं से भी दुनिया को अवगत कराया। स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों के विचार एवं दर्शन से पूरी मानवता आज भी प्रेरणा लेती है और इन्हीं के शब्दों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व को भी भारत का संदेश दिया। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

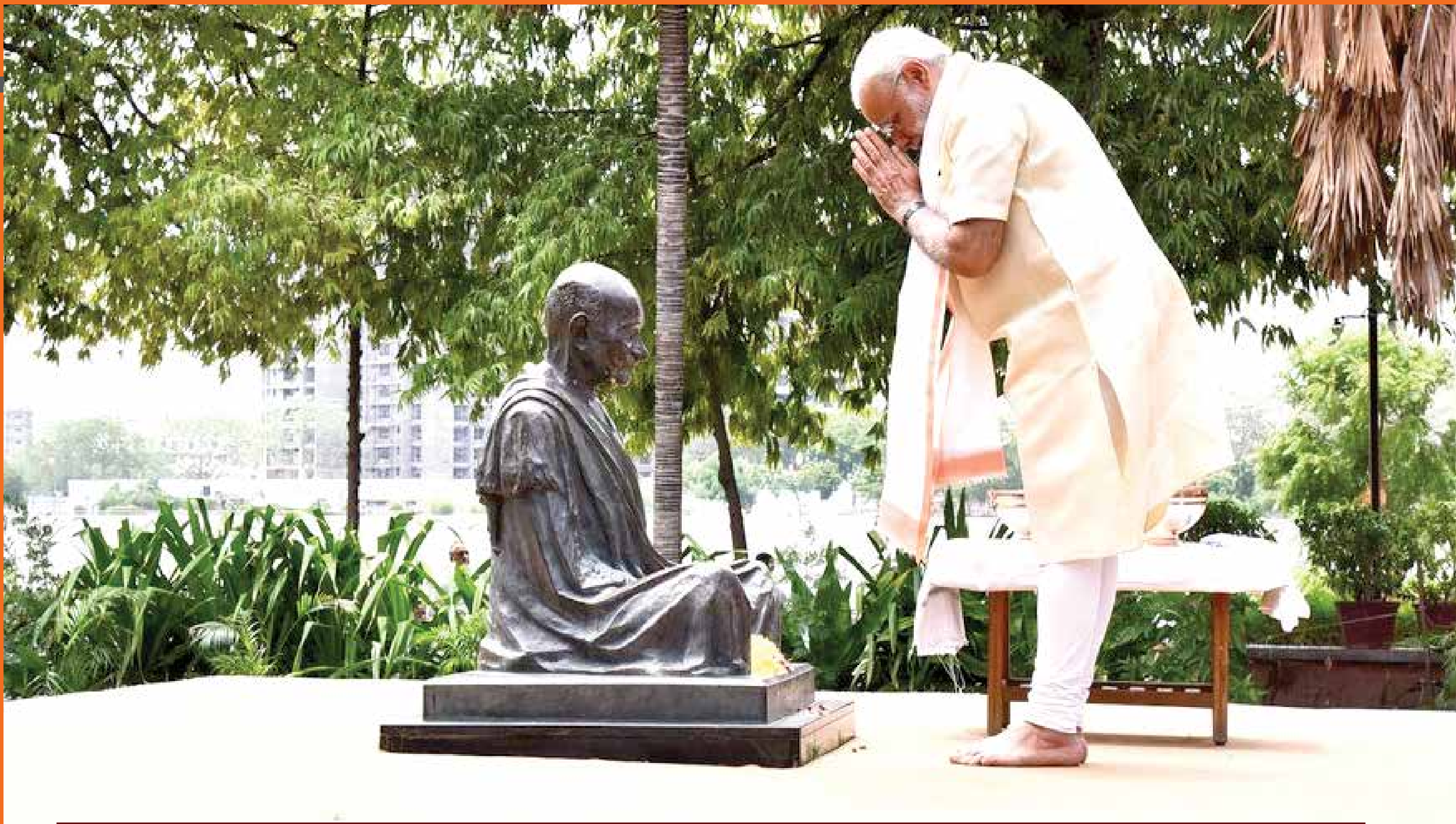

60 महीने में 60 करोड़ से अधिक आबादी को शौचालय की मिली सुविधा

खुले में शौच से मुक्त हुआ ग्रामीण भारत: नरेन्द्र मोदी

अब ग्रामीण भारत खुले में शौच से मुक्त हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में 2 अक्टूबर को देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया। उन्होंने कहा कि केवल शौचालयों का निर्माण ही काफी नहीं है, बल्कि इनके इस्तेमाल को आदत का हिस्सा बनाना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के अभियान के चलते देश की उत्पादकता भी बढ़ी है।

देश भर के 20 हजार सरपंचों के महासम्मेलन को अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर संबोधित करते हुए श्री मोदी ने देश के सभी वासियों से देशहित में एक एक संकल्प लेने का भी आह्वान किया।

महात्मा गांधी पर डाक टिकट तथा सिक्का जारी करने और स्वच्छ भारत मिशन के पुरस्कार वितरित करने के बाद श्री मोदी ने अपने संबोधन से पहले सभी सरपंचों को मंच से झुककर नमन किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का स्वच्छता का सपना साकार करने में उनके योगदान के लिए वह ऐसा कर रहे हैं। देश को खुले में शौच से मुक्त करना 130 करोड़ देशवासियों के प्रयासों से संभव हुआ है न कि केवल सरकार के चलते।

श्री मोदी ने कहा कि आज जब देश खुले में शौच मुक्त घोषित हुआ है, उन्होंने महात्मा गांधी के आश्रम जाकर एक नयी ऊर्जा का अनुभव किया है। उन्हें यह भी लगा कि जैसे इतिहास अपने आप को दोहरा रहा हो। जैसे बापू के आह्वान पर लाखों भारतवासी आजादी के लिए निकल पड़े थे, उसी तरह स्वच्छता के उनके आह्वान पर लाखों भारतवासियों ने दिल से सहयोग किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जिस शौचालय की बात करने में झिझक होती थी, वह आज देश की सोच का अहम हिस्सा हो गया है। 60 महीने में 60 करोड़ से अधिक आबादी को शौचालय की सुविधा देना, 11 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण सुनकर विश्व अचंभित है। इससे कई लाभ हुए हैं। माताओं, बहनों को अंधेरे के इंतजार की पीड़ा से मुक्ति मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान जीवनरक्षक भी सिद्ध हो रहा है और जीवन स्तर को ऊपर उठाने का काम भी कर रहा है। यूनीसेफ के एक अनुमान के अनुसार बीते पांच वर्षों में स्वच्छ भारत से भारत की अर्थव्यवस्था पर 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक

का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे 75 लाख से अधिक रोजगार के अवसर भारत में बने हैं, जिनमें से अधिकतर गांवों के बहन-भाइयों को मिले हैं।

उन्होंने कहा कि आज जो कुछ भी हासिल हुआ वह काफी नहीं है और एक पड़ाव भर है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने अभी जो साढ़े तीन लाख करोड़ का जल जीवन मिशन शुरू किया है उससे इसमें मदद मिलने वाली है।

इस मौके पर श्री मोदी ने एकल प्रयोग प्लास्टिक से मुक्ति की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीते तीन सप्ताह में स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान करीब 20 हजार टन प्लास्टिक कचरा इकट्ठा हुआ है और प्लास्टिक कैरी बैग का इस्तेमाल तेजी से घट रहा है। ऐसा होना जरूरी है।

श्री मोदी ने कहा कि स्वच्छ भारत के हमारे मॉडल से दुनिया सीखना चाहती है। तीन देशों इंडोनेशिया, नाइजीरिया और माली के प्रतिनिधि यहां उपस्थित हैं। भारत अपने अनुभव को दूसरे देशों से साझा करने के लिए तैयार है। गांधीजी भी स्वच्छता को सर्वोपरि मानते थे। आज हम भी स्वच्छ समर्थ सशक्त नये भारत के निर्माण में लगे हैं। उन्होंने कहा कि बापू भी मानते थे कि राष्ट्रवादी हुए बिना अंतरराष्ट्रीयवादी नहीं हुआ जा सकता। नये भारत में स्वच्छता, सुरक्षा, भेदभाव से मुक्ति होगी। ■

स्वेच्छा, स्व–प्रेरणा और जन–भागीदारी से चल रहा स्वच्छ भारत अभियान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज ग्रामीण भारत ने, वहां के लोगों ने खुद को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया है। स्वेच्छा, स्व-प्रेरणा और जन-भागीदारी से चल रहे स्वच्छ भारत अभियान की ये शक्ति भी है और सफलता का स्रोत भी है। मैं हर देशवासी को, विशेषकर गांवों में रहने वालों को, हमारे सरपंचों को, तमाम स्वच्छाग्रहियों को आज हृदयपूर्वक बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि अभी हमने शौचालयों का निर्माण किया है, शौचालय के उपयोग की आदत की तरफ लोगों को प्रोत्साहित किया है। अब हमें देश के एक बड़े वर्ग के व्यवहार में आए इस परिवर्तन को स्थाई बनाना है। सरकारें हों, स्थानीय प्रशासन हो; ग्राम पंचायतें हों; हमें सुनिश्चित करना है कि शौचालय का उचित उपयोग हो। जो लोग अब भी इससे छूटे हुए हैं, उन्हें भी इस सुविधा से जोड़ना है।

बापू के सपनों का भारत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बापू के सपनों का भारत- जहां हर नागरिक सुरक्षित महसूस करेगा। बापू के सपनों का भारत- जो भेदभाव से मुक्त, सद्भावयुक्त होगा।

बापू के सपनों का भारत- जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, इस आदर्श पर चलेगा। बापू के राष्ट्रवाद के ये तमाम तत्व पूरी दुनिया के लिए आदर्श सिद्ध होंगे, प्रेरणा के स्रोत बनेंगे।

साल 2022 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साल 2022 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य हमें हासिल करना है। बीते तीन हफ्ते में स्वच्छता ही सेवा के माध्यम से पूरे देश ने इस अभियान को बहुत गति दी है।

उन्होंने कहा कि मुझे ये भी जानकारी है कि आज देशभर में करोड़ों लोगों ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लिया है। यानी वो प्लास्टिक जिसका हम एक बार उपयोग करते हैं और फिर फेंक देते हैं, ऐसे प्लास्टिक से हमें देश को मुक्त करना है। इससे पर्यावरण का भी भला होगा, हमारे शहरों की सड़कों और सीवेज को ब्लॉक करने वाली बड़ी समस्या का समाधान भी होगा और हमारे पशुधन की, समुद्री जीवन की भी रक्षा होगी।

प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर राजघाट जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर राजघाट जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधीजी की शांति, सौहार्द एवं भाईचारे के प्रति प्रतिबद्धता अटूट रही। उन्होंने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की, जहां गरीब से गरीब व्यक्ति सशक्त हो। उनके आदर्श हमारे मार्गदर्शक हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने का संकल्प लें: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर देश भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। पार्टी ने इस अवसर पर देश भर में संकल्प यात्रा की भी शुरुआत की। राष्ट्रीय राजधानी में गांधी संकल्प यात्रा की शुरुआत करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि महात्मा गांधी स्वच्छता के आग्रही थे और देश की आजादी के बाद सिर्फ नरेन्द्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने स्वच्छता को जन-आंदोलन में तब्दील कर दिया है।

श्री शाह ने 2 अक्टूबर को रामलीला मैदान शालीमार बाग से गांधी संकल्प यात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि देशभर में भाजपा के कार्यकर्ता आज से लेकर 31 अक्टूबर तक 150 किमी पद यात्रा कर गांधीजी के संदेशों और मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। इस यात्रा में भाजपा सांसद, विधायक, संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्वदेश, स्वधर्म, स्वभाषा और स्वदेशी के मूल्यों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि वो महामानव जिसने पूरी दुनिया की समस्याओं को सुलझाने का रास्ता दिखाया, जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ों को गहरा और मजबूत करने का काम किया, भाजपा कार्यकर्ता उन महात्मा गांधी की 150वीं जयंती से लेकर 152वीं जयंती तक उनके विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदूषण मुक्त स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए हम सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में आगे बढ़ रहे हैं।

श्री शाह ने कहा कि हम गांधीजी के संदेश, बिना काम का धन, विवेकरहित खुशी, बिना चरित्र का ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, त्याग के बिना धर्म, मानवता के बिना विज्ञान और सिद्धांत के बिना राजनीति, इन सबका त्याग करने के लिए हम पूरे देश में जागरुकता फैलाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को ना कहने की अपील करते हुए कहा कि कहा कि प्लास्टिक हमारे वातारवण और स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह गांधी जयंती के दिन प्लास्टिक के थैले का उपयोग न करने का प्रण लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अब देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति दिलाने का संकल्प लेकर निकले हैं। इसे भी जन आंदोलन बनाने की जिम्मेदारी देश की जनता और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं की है।

उन्होंने कहा कि आज गांधी जयंती के दिन पूरा देश कृतज्ञ भाव के साथ उस महामानव को श्रद्धांजलि दे रहा है, जिसने न केवल देश के आगे जाने का रास्ता प्रशस्त किया, जिसने सत्य और अहिंसा के रास्ते को फिर एक बार दुनिया के सामने रखा। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति को पूरी दुनिया में पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदीजी ने जलशक्ति मंत्रालय बनाया। जल संचय करना, जल के बचाव करने के लिए जनता में जागरुकता लाना ये काम मोदी ने अपने हाथ में लिया है और इसी का परिणाम है कि आज देश में लाखों तालाब पानी से भरे हैं। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी गांधीजी के सपने को कर रहे साकारः जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आजादी के 70 वर्षों के बाद गांधी के आदर्शों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी साकार करने में जुटे हैं। चाहे मेक इन इंडिया हो या स्वच्छ भारत अभियान, ये तमाम कार्य बापू के आदर्शों पर ही आधारित हैं। अब समय आ गया है कि जब उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। गत 2 अक्टूबर को नजफगढ़ के खैरा गांव में आयोजित गांधी संकल्प यात्रा की शुरुआत पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि बापू के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन पूरे साल चलेगा।

उन्होंने कहा कि जिन बातों व सिद्धांतों पर गांधीजी जीवनपर्यंत चले उन बातों को हमें अपनी जीवनशैली में आत्मसात करें, यही इन कार्यक्रमों का लक्ष्य है। महात्मा गांधी सिर्फ राजनीतिक नेता नहीं थे। उनका नेतृत्व अध्यात्मवाद व सामाजिकता से भरा था।

गांधी दर्शन पर आधारित सात बातों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बिना काम का धन, विवेकरहित खुशी, बिना चरित्र के ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान व त्याग के बिना धन व सिद्धांत के बिना राजनीति कभी नहीं करनी चाहिए। यह संदेश गांधी ने दुनिया को दिया। सत्याग्रह व अहिंसा की राह दिखाई। उनके बताए रास्ते पर चलकर दुनिया में कई देशों ने स्वतंत्रता पाई। दक्षिण अफ्रीका इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेल्सन मंडेला गांधी से प्रेरणा लेने वालों में से थे। आज के समय की बात करें तो दुनिया में विचारों की दृष्टि से उनका गांधी का महान योगदान है। स्वदेशी, स्वराज्य, स्वावलंबन, स्वच्छता, सत्याग्रह, अहिंसा जैसी बातें उनके जीवन दर्शन में समाहित थी। इन बातों के गहरे मायने थे। वे यदि स्वदेशी की बात करते थे तो इसलिए क्योंकि उन्हें पता था कि अंग्रेजों को कमजोर करने के लिए हमें उनके देश में निर्मित वस्तुओं पर निर्भर नहीं होना चाहिए। यदि हम विदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करते हैं तो इसका लाभ हमें नहीं बल्कि विदेशियों को होगा।

श्री नड्डा ने कहा कि यदि हम देश में बनी वस्तुओं का इस्तेमाल करते हैं तो इसका लाभ हमारे गांव, हमारे किसान, यहां के लोगों को मिलेगा। आजादी के संघर्ष में उन्होंने अहिंसा की बात की, क्योंकि वे जानते थे यदि हम हिंसा का सहारा लेंगे तो अंग्रेजों को दमन का बहाना मिल जाएगा। वे रक्तपात पर उतर आएंगे। उन्होंने दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय स्वावलंबन की बात कही। उन्होंने चरखा को बढ़ावा दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि गांधीजी स्वच्छता की बात करते थे। स्वच्छता को लेकर वे खुद भी सजग रहते थे। वे जहां भी जाते, यदि उन्हें गंदगी नजर आती तो खुद ही सफाई में जुट जाते थे। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्वच्छता के क्षेत्र के किए गए कार्यों के लिए ग्लोबल गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया है। गांधी पर्यावरण की बात करते थे। आज हमारी कोशिश है कि हम एक बार इस्तेमाल में आने वाले प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करें। भारतीय जनता पार्टी के किसी भी कार्यालय में अब सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, भाजपा नेताओं से उम्मीद की जाती है:

1. **पदयात्राः** 15 दिनों में न्यूनतम 75 किलोमीटर और अधिकतम 225 किलोमीटर
2. **पहनावाः** केवल खादी के कपड़े और केवल खादी के बैग को ही तरजीह दी जानी चाहिए।
3. **बातचीतः** गांधी के आदर्शों के बारे में और जनता को भाजपा सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, ग्रामीण आवास योजना, मेक इन इंडिया और स्वच्छ भारत अभियान से कैसे जुड़ते हैं, इस बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।
4. **नारों मेंः** भारत माता की जय सहित महात्मा गांधी से संबंधित उद्घोष को महत्व दिया जाना चाहिए।
5. **खानपानः** जिस गांव का भी दौरा करें, वहां स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत करते हुए वहां के स्थानीय भोजन को ही ग्रहण किया जाना चाहिए। दिन के अंत में नेता जिस गांव का भ्रमण करते हैं, उनसे उपेक्षा है कि वह उस गांव में रात्रिवास करें।
6. निर्देशों में कहा गया है कि यदि कोई भी पार्टी नेता 15 किलोमीटर के लक्ष्य को पूरा करने में असमर्थ हैं, तो उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए जो इसे पूरा करने में सक्षम हो।
7. पदयात्रा के दौरान, नेता के साथ 50 से 100 पार्टी कार्यकर्ताओं का समूह अपेक्षित है। ■

एनआरसी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है और इसे हर हाल में लागू किया जाएगाः अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि किसी भी हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध शरणार्थी को देश से जाने नहीं दिया जाएगा। वहीं, घुसपैठियों को भारत में रहने नहीं दिया जाएगा। एनआरसी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है और इसे हर हाल में लागू किया जाएगा।

गत 1 अक्टूबर को नेताजी इंडोर स्टेडियम में एनआरसी पर आयोजित सेमिनार में श्री शाह ने सुश्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर एनआरसी को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल में एनआरसी को लागू किया जाएगा, लेकिन उससे पहले नागरिकता (संशोधन) बिल को पास कराकर सभी हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध शरणार्थियों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि मैं आज यहां सभी शंकाएं दूर करने आया हूं। ममता दीदी ने कहा कि अगर एनआरसी लागू हुआ तो लाखों हिंदुओं को बंगाल छोड़ना पड़ेगा। इससे बड़ा झूठ नहीं हो सकता। मैं विश्वास दिलाता हूं, ऐसा कुछ नहीं होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ही चार अगस्त, 2005 को संसद में घुसपैठ का मुद्दा उठाया था। केंद्र सरकार घुसपैठियों को देश से निकालने पर कृतसंकल्प है।

श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा, 'जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान की वजह से ही आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है। बंगाल और अनुच्छेद 370 के बीच एक खास रिश्ता है। श्यामा प्रसाद ने एक निशान, एक विधान और एक प्रधान का नारा दिया था।'

श्री शाह ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में पहले दुर्गापूजा में मूर्ति विसर्जन के लिए कोर्ट में जाना पड़ता था। इस बार मैं यहां दुर्गापूजा में आरती करने आया हूं, अब किसी की हिम्मत नहीं है दुर्गापूजा रोकने की। वसंत पंचमी पर भी किसी की हिम्मत नहीं होगी पूजा रोकने की, क्योंकि बीते लोकसभा चुनाव में बंगाल ने भाजपा को 18 सीटें दी। यह उसी का असर है। गृहमंत्री ने पश्चिम बंगाल के लोगों से एक बार भाजपा को मौका देने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा ही सरकार बनाएगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि विश्व का कोई भी देश घुसपैठियों का बोझ लेकर तरक्की नहीं कर सकता। घुसपैठ रोकनी होगी। हम देश की सुरक्षित करने के लिए एनआरसी को लागू करना सुनिश्चित करेंगे।

सॉल्ट लेक के बीजे ब्लॉक में एक दुर्गा पूजा के उद्घाटन के मौके पर श्री अमित शाह ने सुश्री ममता बनर्जी पर हिंदू सभ्यता और संस्कृति पर रोक लगाने की कोशिश का आरोप लगाया।

उद्घाटन से पूर्व संबोधन करते हुए श्री शाह ने कहा कि अब तक पश्चिम बंगाल की स्थिति ऐसी थी कि ममता बनर्जी की सरकार दुर्गा पूजा के विसर्जन, सरस्वती पूजा पर रोक लगा देती थी। लोगों को पूजा करने के लिए कोई जाना पड़ता था लेकिन जब से पश्चिम बंगाल की जनता ने राज्य में भाजपा को 42 में से 18 सीटों पर जीत दिलाई है, उसके बाद हालात बदल गए हैं। अब किसी को भी दुर्गा पूजा करने अथवा विसर्जन के लिए कोर्ट जाने की जरूरत नहीं पड़ती। अब हर कोई आराम से पूजा करता है। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि अगले विधानसभा चुनाव के अंदर बंगाल की जनता पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन करें। उसके बाद दुर्गा पूजा हो या सरस्वती पूजा हो, रामनवमी हो या कृष्ण जन्माष्टमी, उस पर किसी तरह की कोई रोक कभी नहीं लगेगी।

उन्होंने देश की अन्य विपक्षी पार्टियों पर भी हमला करते हुए कहा कि देशभर में पूजा-पाठ करना एक संवैधानिक अधिकार है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति ने कई राज्यों में लोगों से यह संवैधानिक अधिकार छीना है। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल एक बार फिर सोनार बांग्ला बनकर उभरे इसके लिए सबको मिलजुल कर राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के लिए काम करना होगा। दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करने के साथ ही गृहमंत्री ने राज्यवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं भी दी। ■

‘मनोहर सरकार ने गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के तंत्र पर ताला जड़कर राज्य की जनता को न्याय दिया है’

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने लोहारू में आयोजित जनसभा में कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने कांग्रेस को परिवारवाद और वंशवादियों की पार्टी बताते हुए कहा कि कांग्रेस में सिर्फ परिवार का भला सोचा जाता है। समाज व देश के विकास की इन्हें कोई चिंता नहीं होती। कांग्रेस की कार्यप्रणाली पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस से परिवारवादी ही लोग चुनाव लड़ सकते है आम आदमी तो चुनाव भी नहीं लड़ सकता। श्री शाह 9 अक्टूबर को लोहारू में लोहारू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री जेपी दलाल व तोशाम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री शशि रंजन परमार के समर्थन में आयोजित संयुक्त रैली को सम्बोधित कर रहे थे।

श्री शाह ने कहा कि हुड्डा के शासनकाल में जमकर भ्रष्टाचार होता था। उन्होंने कहा कि हुड्डा की सरकार जाती थी तो चौटाला की सरकार आती थी। चौटाला की सरकार आती थी तो गुंडागर्दी चलती थी। हुड्डा की सरकार आती थी तो भ्रष्टाचार होता था, लेकिन मनोहर सरकार ने गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के तंत्र पर ताला जड़कर हरियाणा की जनता को न्याय दिया है।

हरियाणा की भाजपा सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि जो काम हरियाणा में पिछले 48 वर्षों में नहीं हो पाये, मनोहर सरकार ने पांच साल में करके दिखा दिये। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा से गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार को समाप्त करते हुए पारदर्शी तरीके से युवाओं को नौकरी देने का काम किया। जिसकी चर्चा दूसरे राज्यों में भी होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में ट्रांसफर और नौकरियों की खुली मंडियां लगती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने उस मंडी पर ताला लगाने का काम किया है। आज मनोहर सरकार में अध्यापकों को ट्रांफसर कराने के लिए पैसे नहीं देने पड़ते, बस एक क्लिक और पारदर्शी तरीके से स्थानांतरण सम्पन्न। मनोहर सरकार में आज ऑनलाइन तरीके से ट्रांसफर हो रहे हैं। मनोहर सरकार की इस नीति का दूसरे राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं।

श्री शाह ने किसानों की भूमि हरियाणा में किसानों के लिए मनोहर सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड लोहारू की जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल की सरकार के पांच सालों के दौरान हरियाणा में प्रति व्यक्ति आय एक लाख 35 हजार से बढ़कर 2 लाख 26 हजार पहुंच गई है। वहीं उन्होंने महिला सुरक्षा को लेकर कहा कि हरियाणा में 48 सालों से केवल दो महिला थाने थे, मनोहर सरकार ने अपने पांच साल में महिलाओं के सम्मान में 31 महिला थाने खोले। ■

बीड (महाराष्ट्र)

‘धारा 370 ने देश को एक करने का काम किया’

गत 8 अक्टूबर को विजयदशमी के मौके पर महाराष्ट्र के बीड में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार वंचितों, शोषितों और ओबीसी समाज के लिए भगवान बाबा के रास्ते पर चलने का काम किया है। आप सबने नरेन्द्र मोदी जी को 300 सीटें दी। मोदी जी ने 5 महीने में अनुच्छेद 370 हटाने का काम किया। आज उनके सम्मान में 370 राष्ट्र ध्वज लेकर राष्ट्रभक्त यहां खड़े हैं। नरेन्द्र मोदी जी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर पूरे देश को राष्ट्रभक्ति के धागे से एक करने का काम किया है।

भाजपा नेता पंकजा मुंडे की ओर से आयोजित इस रैली में श्री शाह ने कहा कि गोपीनाथ मुंडे जी ने गन्ना कटाई मजदूरों और चीनी कारखानों में काम करने वाले मजदूरों के लिए पूरा जीवन लगाया था। श्री शाह ने आगे कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। वंचितों के विकास के लिए जो बाबासाहेब आंबेडकर जी की कल्पना थी, उसी तरह मोदी सरकार काम कर रही है। मोदी सरकार ने ओबीसी समाज को संवैधानिक दर्जा देने का काम किया है और ओबीसी समाज के लिए संवैधानिक आयोग की रचना का काम किया है। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश भर के वंचित समाज और ओबीसी समाज के लिए भाजपा आगे बढ़ रही है। ■

अनुच्छेद 370 के हटने से कश्मीर के लोगों को मिले मौलिक अधिकार: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में अनुच्छेद 370 पर बोलते हुए कहा कि बंगाल श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती है, यहां अनुच्छेद 370 पर बोलना सौभाग्य की बात है।

श्री नड्डा ने 27 सितंबर को कोलकाता में आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और कांग्रेस के नेता गुलाम नबी आजाद कश्मीर को विशेष दर्जा देने की मांग करते हैं। वे देश की जनता को गुमराह करते हैं। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 को अस्थाई और बदले जा सकने योग्य लिखा है, लेकिन इस मुद्दे पर इन्होंने घाटी के लोगों को गुमराह करने की पूरी कोशिश की है।

श्री नड्डा ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू ने शेख अब्दुल्ला से कहा था कि कश्मीर पर भीम राव अंबेडकर से मुलाकात करें। अंबेडकर ने शेख अब्दुल्ला से कहा था कि आप हमसे उम्मीद करते हैं कि हम सुरक्षा दें, खाना दें, लेकिन भारत की जनता कश्मीर की जनता नहीं होगी, यह हमें मंजूर नहीं है। कानून मंत्री के तौर पर यह मुझे मंजूर नहीं। अनुच्छेद 370 का मकसद जम्मू-कश्मीर को भारत के संविधान में शामिल करना था। 35ए के एक हिस्से के तहत यह तय होता था कि जम्मू-कश्मीर का नागरिक कौन होगा। जो कि मौलिक अधिकार के खिलाफ था।

श्री नड्डा ने कहा कि घाटी में लोग इसलिए भी खुश हैं क्योंकि अब तक उनके मौलिक अधिकारों को नकार दिया गया था। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के समाप्त होने के बाद अब जम्मू-कश्मीर के सभी पंचायतों में भारत सरकार का पैसा सीधे पहुंच सकेगा। अब तक यह पैसा वहां के नेताओं द्वारा जेब में डाला जाता था।

भाजपा कार्यकर्ताओं की स्मृति में 'तर्पण' कार्यक्रम

पश्चिम बंगाल में जंगलराज, ममता सरकार का समय खत्म

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 28 सितंबर को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने ''जंगल राज'' की शुरुआत की है और प्रदेश में''आतंक का राज'' कायम कर दिया है।

श्री नड्डा ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार का वक्त खत्म हो गया है, क्योंकि बनर्जी में "दूरदृष्टि और दिशा" की कमी है और उनकी रुचि केवल "राज्य के आतंक" के जरिए विपक्षी दलों को भयभीत करने में है।

श्री नड्डा ने पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक हिंसा में जान गंवाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं का 'सामूहिक तर्पण' भी किया। 'तर्पण' पितृ पक्ष में की जाने वाली एक ऐसी रस्म है जिसमें पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए उन्हें जल अर्पित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में "बलिदानी भाजपा कार्यकर्ताओं" के परिवार के सदस्यों को न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने ''सामूहिक तर्पण'' करने के बाद पत्रकारों से कहा, ''पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार में 'जंगल राज' और आतंक का राज है। कानून का शासन न होने के कारण यहां 'गुंडा राज' है।''

श्री नड्डा ने कहा, ''लेकिन यह 'जंगल राज' जल्द ही खत्म हो जाएगा क्योंकि टीएमसी सरकार का समय खत्म हो गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले दो साल के दौरान पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में 80 से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी है। उन्होंने कहा, ''पुलिस मुकदमा नहीं लिख रही है और मूकदर्शक बनी हुई है। रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। ममता बनर्जी न तो लोगों को न्याय दे रही हैं और न ही कोई समुचित न्यायिक कार्रवाई होने दे रही हैं।''

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के बाद 3000 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। भाजपा के 2500 से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ शारीरिक हिंसा की गई। करीब 80 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और करीब 1000 घायल कार्यकर्ताओं का इलाज कराया जा रहा है। ये कानून-व्यवस्था की स्थिति या गुंडाराज का उदाहरण है।'' इससे पहले नड्डा ने कॉलेज स्क्वायर में समाज सुधारक ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को श्रद्धांजलि दी। ■

अब शहीदों के परिजन को चार गुना आर्थिक मदद, 2 से 8 लाख रुपये हुई राशि

युद्ध में जान गंवाने वालों के परिजन या दिव्यांग सैनिकों को दी जाने वाली आर्थिक मदद में चार गुना वृद्धि कर दी गई है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 5 अक्टूबर को मौजूदा 2 लाख रुपये की मदद राशि को बढ़ाकर 8 लाख करने वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह राशि सेना युद्ध हताहत कल्याण कोष (एबीसीडब्ल्यूएफ) के तहत दी जाएगी।

इससे पहले, बैटल कैजुअल्टी में 60 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता के लिए 2 लाख रुपये और 60 प्रतिशत से कम दिव्यांगता के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान था। यह उदारीकृत पारिवारिक पेंशन, सेना समूह बीमा, सैन्य कल्याण कोष और अनुग्रह राशि से मिलने वाली वित्तीय सहायता के अतिरिक्त था।

फरवरी 2016 में सियाचिन में हुई हिमस्खलन की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना जिसमें 10 सैनिकों के बर्फ में दब जाने के बाद बैटल कैजुअल्टी के तहत उनके परिवारों को बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने की पेशकश के बाद रक्षा मंत्रालय ने भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (ईएसडब्ल्यू) के तहत एबीसीडब्ल्यूएफ का गठन किया था। एबीसीडब्ल्यूएफ का गठन जुलाई 2017 में किया गया था और इसे अप्रैल 2016 में पूर्वव्यापी रूप से लागू कर दिया गया।

इस कोष का गठन चैरिटेबल एंडॉवमेंट्स एक्ट, 1890 के तहत किया गया था। इसके अंतर्गत लोगों के द्वारा धन जमा करने के लिए नई दिल्ली में सिंडिकेट बैंक की साउथ ब्लॉक शाखा में 90552010165915 नंबर से एक बैंक खाता खोला गया था। यह कोष बैटल कैजुअल्टी के तहत बच्चों और परिजनों को मिलने वाली अतिरिक्त अनुग्रह राशि के लिए विभिन्न वर्तमान कल्याण योजनाओं से इतर है।

उपर्युक्त सहायता के अलावा विभिन्न रैंकों के लिए 25 लाख रुपये से 45 लाख रुपये तक की अनुग्रह राशि सहित मौद्रिक अनुदान (केंद्रीय) और सेना समूह बीमा के लिए 40 लाख रुपये से लेकर 75 लाख रुपये तक का मौद्रिक अनुदान पहले से मौजूद है।

इसके साथ-साथ मंत्रालय द्वारा मृत्यु से जुड़ी बीमा योजना, डीएलआईसीएस (जेसीओ/ओआरएस) के तहत 60,000 रुपये; आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यए) के तहत 15,000 रुपये; बच्चों के लिए ट्यूशन शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति; बैटल कैजुअल्टी एवं फिजिकल कैजुअल्टी (फैटल) के तहत रेलवे टिकट पर 70 प्रतिशत तक की रियायत, बेटियों के विवाह, विधवा पुनर्विवाह और अनाथ बेटे के विवाह के लिए अनुदान प्रदान करना तात्कालिक और दीर्घकालिक सहायताओं में से हैं।

इससे पूर्व श्री राजनाथ सिंह जब गृह मंत्री के रूप में कार्यरत थे, उन्होंने युद्ध में शहीद और घायल अर्धसैनिक बलों के कर्मियों के परिवारों की सहायता के लिए 'भारत के वीर कोष' का शुभारंभ किया था। यह कोष बहुत कम समय में लोकप्रिय हो गया और इसे व्यापक समर्थन मिला। ■

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत मकानों की कुल संख्या 90 लाख से अधिक

47वीं केन्द्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) ने 4,988 करोड़ रुपये के निवेश के साथ भागीदार राज्यों के लिए 1.23 लाख मकान बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। भारत सरकार की ओर से 1,805 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी।

इन प्रस्तावों की मंजूरी के साथ पीएमएवाई (शहरी)– मिशन के अंतर्गत मकानों की स्वीकृत संचयी संख्या 90 लाख मकान से ऊपर हो गई, जबकि विधिमान्य मांग 1.12 करोड़ की है। सीएसएमसी में कुल दस राज्यों ने भागीदारी की। इनमें 27,746 मकान पश्चिम बंगाल के लिए, तमिलनाडु के लिए 26,709, गुजरात के लिए 20,903, पंजाब के लिए 10,332, छत्तीसगढ़ के लिए 10,079, झारखंड के लिए 8,674, मध्य प्रदेश के लिए 8,314, कर्नाटक के लिए 5,021, राजस्थान के लिए 2,822, उत्तराखंड के लिए 2,501 मकान हैं।

अभी तक 5.54 लाख करोड़ रुपये के समग्र निवेश को मंजूरी दी गई है, जिसमें केन्द्र और राज्य सरकारों का निवेश हिस्सा 3.01 लाख करोड़ रुपये और 2.53 लाख करोड़ रुपये निजी निवेश है। केन्द्र सरकार ने 1.43 लाख करोड़ रुपये देने का वचन दिया है, जिसमें से 57,758 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

लगभग 53.5 लाख मकान बनाए जाने हैं, जिनमें से 27 लाख मकान पूरे कर लिए गए हैं। केन्द्रीय सरकार ने 2022 तक सभी के लिए घर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परियोजनाएं पूरी करने की दिशा में प्रयास करने पर बल दिया है। ■

स्वच्छ भारत अभियान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'ग्लोबल गोल कीपर अवार्ड' से सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा 24 सितंबर को 'ग्लोबल गोल कीपर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र से इतर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को इस सम्मान से नवाजा गया।

प्रधानमंत्री ने यह सम्मान स्वच्छ भारत अभियान को जनांदोलन में परिवर्तित करने वाले और इसे अपने दैनिक जीवन का अंग बनाने वाले भारतीयों को समर्पित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा, "स्वच्छ भारत मिशन की कामयाबी भारत की जनता की बदौलत है। उन्होंने इसे अपना आंदोलन बना लिया और वांछित परिणामों की प्राप्ति सुनिश्चित की।"

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर इस सम्मान को प्राप्त करने को निजी स्तर पर महत्वपूर्ण क्षण करार देते हुए श्री मोदी ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान इस बात का प्रमाण है कि जब 130 करोड़ भारतीय कोई शपथ लेते हैं तो किसी भी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को साकार करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "पिछले पांच वर्षों में 11 करोड़ की रिकॉर्ड संख्या में शौचालयों का निर्माण किया गया। इस मिशन से देश के गरीबों और महिलाओं को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।" प्रधानमंत्री ने

कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने के अलावा 11 करोड़ शौचालयों के निर्माण ने गांवों में आर्थिक कार्यकलापों को प्रोत्साहन भी दिया।

वैश्विक स्वच्छता कवरेज में सुधार लाने के बारे में श्री मोदी ने कहा कि भारत अन्य देशों के साथ अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने को तैयार है ताकि स्वच्छता की कवरेज बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयास किये जा सके।

प्रधानमंत्री ने फिट इंडिया मूवमेंट और जल जीवन मिशन जैसे मिशन मोड अभियानों के माध्यम से निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में किए गए भारत के प्रयासों का भी उल्लेख किया। ■

दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने तीन अक्टूबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। गौरतलब है कि ट्रेन संख्या 22439 नई दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुबह छह बजे रवाना होगी और अपराह्न दो बजे कटरा पहुंच जाएगी। ट्रेन अंबाला कैंट, लुधियाना और जम्मू तवी में दो-दो मिनट रुकेगी।

उसी दिन वापसी यात्रा पर ट्रेन संख्या 22440 कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस अपराह्न 3 बजे कटरा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी और रात 11 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

यह दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस है। एक अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस दिल्ली और वाराणसी के बीच भी चलती है। ■

भारत को फ्रांस से मिला पहला राफेल लड़ाकू विमान

भारत ने फ्रांस से पहला राफेल विमान 8 अक्टूबर को प्राप्त किया। फ्रांस से खरीदे गये 36 राफेल लड़ाकू विमानों की श्रृंखला में प्रथम विमान सौंपे जाने के लिये आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना को और मजबूती प्रदान करेगा। इस समारोह का आयोजन फ्रांस में राफेल विमान निर्माता दसाल्ट एविएशन के प्रतिष्ठान में किया गया।

गौरतलब है कि भारत ने 59,000 करोड़ रुपये के सौदे के तहत सितंबर 2016 में फ्रांस से 36 लड़ाकू विमान खरीद का आर्डर दिया था। चार लड़ाकू विमानों की प्रथम खेप भारत में वायुसेना के अड्डे पर मई 2020 में आएगी। सभी 36 लड़ाकू विमानों के सितंबर 2022 तक भारत पहुंचने की उम्मीद है।

श्री सिंह ने राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरने से ठीक पहले नये विमान पर शस्त्र पूजन किया और उस पर 'ओम' तिलक लगाया तथा पुष्प एवं एक नारियल चढ़ाया। उनके साथ भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी थे।

उन्होंने राफेल में उड़ान भरने से पहले कहा, ''इस नये लड़ाकू विमान में उड़ना बहुत ही सम्मान की बात है।'' श्री सिंह ने कहा, ''हमारी वायुसेना दुनिया में चौथी सबसे बड़ी वायुसेना है और मेरा मानना है कि राफेल मीडियम मल्टी रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना को और मजबूती प्रदान करेगा तथा हमारी हवाई क्षमता को बढ़ाते हुए क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।''

उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया है कि फ्रेंच 'शब्द राफेल' का अर्थ 'आंधी' है। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि विमान अपने नाम को सार्थक करेगा।'' रक्षा मंत्री के समक्ष 'आरबी001' राफेल का अनावरण भी किया गया।

वहीं, श्री सिंह ने सालाना भारत-फ्रांस रक्षा वार्ता के संदर्भ में पेरिस में कहा, ''आज भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया गया है और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एक नये मुकाम पर पहुंचा है।

उन्होंने कहा, ''यह भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, जो भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी की गहराई को प्रदर्शित करता है। आज विजयादशमी है और साथ ही भारतीय वायुसेना का 87 वां स्थापना दिवस भी है।''

फ्रांसीसी रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले ने राफेल के बारे में कहा कि यह फ्रांस की सर्वश्रेष्ठ चीज है जिसकी पेशकश फ्रांस ने भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए की है। यह 'मेक इन इंडिया' की पहल के प्रति फ्रांसीसी प्रतिबद्धता भी है।

फ्रांसीसी मंत्री ने कहा, ''यह कोई संयोग नहीं है कि यह समारोह दशहरा के दिन और भारतीय वायुसेना के 87 वें स्थापना दिवस के दिन आयोजित हुआ। यह हमारे सर्वोच्च महत्त्व को प्रदर्शित करता है जो हम भारत के साथ अपना सहयोग देते हैं।'' ■

यह मेरा नहीं सबका है और इसलिए राष्ट्र का है

दीनदयाल उपाध्याय

धर्म का मुख्य तत्त्व है उसका आचार। धर्म और अधर्म का विचार करने पर महाभारत का एक वाक्य स्मरण हो आता है, जिसमें कहा गया है- "कभी दूसरे से ऐसा व्यवहार न करो, जो यदि तुम्हारे साथ किया जाए तो तुम्हें कष्टदायक लगे।" वस्तुतः समष्टि धर्म का आधार आत्मीयता ही है। संपूर्ण समाज के प्रति यह अपनेपन का भाव मन में लेकर 'अहं भाव' हटाकर आत्मीयता का भाव जगाना ही सच्चा धर्म है।

हम यज्ञ करते हैं। यज्ञ करते समय कहते हैं 'इदं न मम्' यह मेरा नहीं है। यज्ञ के उपरांत जो शेष रहता है, उसे हम भगवान् के प्रसाद-स्वरूप ग्रहण करते हैं। ऐसा नहीं कि यज्ञ बाद में हो और प्रसाद पहले बंट गया। हमारे यहां तो कहा गया है कि जितना हम पैदा करते हैं-वह सब मेरा नहीं। एक व्यक्ति, वेतन पाता है तो वह सारे वेतन का उपयोग स्वयं के लिए नहीं करता। वह रुपए लाकर पिताजी या माताजी को दे देता है और उस धन का उपयोग संपूर्ण परिवार की आवश्यकताओं के लिए किया जाता है। हम जब भोजन करते हैं, तो कहते हैं 'त्वदीयं वस्तु गोविन्दं तुभ्यमेव समर्पयेत्' भोजन भी हम स्वयं के लिए नहीं करते तो इसलिए करते हैं कि यह जो ईश्वर की अपार कृपा के कारण हमको मानव शरीर मिला है, इसका संरक्षण हो सके, ताकि धर्म संरक्षण के ईश्वरीय कार्य के लिए इस शरीर का समुचित उपयोग हो सके। मैं केवल अपना ही नहीं, दूसरों का भी विचार करूंगा। इतना विचार मात्र हमारे अंदर आ जाए तो हम कहेंगे कि हम धर्म के आधार पर खड़े हैं।

धर्मराज युधिष्ठिर के बारे में कहा गया है कि उन्होंने अपना ही नहीं, दूसरों का भी विचार किया। एक बार पांचों पांडव कुंती के साथ जंगल में जा रहे थे। जाते-जाते कुंती को प्यास लगी। पानी लाने के लिए भीम एक तालाब के पास गए। वहां उन्हें यक्ष ने रोका और कुछ पूछा। उचित उत्तर न पाने पर वह क्रोधित हो गया और भीम को बेहोश कर डाला।

काफ़ी देर के बाद भी भीम के न लौटने पर अर्जुन उनकी सुधि लेने गए और अर्जुन का भी वही हाल हुआ। फिर क्रमशः सहदेव और नकुल गए पर उनका भी वही हाल हुआ। अंततोगत्वा युधिष्ठिर स्वयं गए। यक्ष ने युधिष्ठिर से भी वही प्रश्न पूछा। युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, यक्ष प्रसन्न हो गया और कहा, "जाओ, पानी ले लो तथा किसी एक भाई के पुनर्जीवन का वरदान मांग लो।" युधिष्ठिर ने कहा, "यदि तम स्वयं ऐसा कहते हो तो नकुल अथवा सहदेव में से किसी एक को जीवित कर दो।" यक्ष को आश्चर्य हुआ। उसने कहा, "अर्जुन और भीम से भाइयों को छोड़कर तुम इनको जिंदा करने के लिए कहते हो, यह बात मेरी समझ में नहीं आती। अर्जुन गांडीवधारी है। भीम अभूतपूर्व बलशाली पुरुष है। तुम उनको क्यों नहीं मांगते?" युधिष्ठिर ने सहज उत्तर दिया- "हमारी दो माताएं हैं, कुंती और माद्री। सौभाग्य से कुंती का एक पुत्र मैं जीवित हूं। माद्री का भी एक पुत्र जीवित रहे, इसलिए तुम नकुल अथवा सहदेव में से किसी को भी जीवित कर दो।" उन्होंने वहां पर यह विचार नहीं किया कि अर्जुन धनुर्धारी है, भीम अतीव बलशाली योद्धा है। विचार किया तो धर्म का किया और कहते हैं कि इस उत्तर से यक्ष इतना प्रसन्न हो गया कि उसने चारों भाइयों को जीवित कर दिया। हम तो इस प्रकार से धर्म का विचार चाहते हैं।

दो अक्षरों से मृत्यु, तीन में अमरता

> **धर्म का मुख्य तत्त्व है उसका आचार। धर्म और अधर्म का विचार करने पर महाभारत का एक वाक्य स्मरण हो आता है, जिसमें कहा गया है- "कभी दूसरे से ऐसा व्यवहार न करो, जो यदि तुम्हारे साथ किया जाए तो तुम्हें कष्टदायक लगे।" वस्तुतः समष्टि धर्म का आधार आत्मीयता ही है। संपूर्ण समाज के प्रति यह अपनेपन का भाव मन में लेकर 'अहं भाव' हटाकर आत्मीयता का भाव जगाना ही सच्चा धर्म है।**

'मम इति मृत्युः, ममत्व ही मृत्यु है। न मम' ही अमरता है। यह मेरा नहीं, सबका है और इसीलिए राष्ट्र का है। इस प्रकार का भाव ही सच्चा राष्ट्रभाव है। इसी में से त्याग की वृत्ति पैदा होती है। इसी वृत्ति से जीवन की सारी समस्याओं का हल निकल आता है।

कई बार विवाद खड़ा हो जाता है कि राजनीति बड़ी है या अर्थनीति? इस विवाद पर विचार करते समय उपनिषद् की एक कथा याद आती है। कहते हैं कि एक बार शरीर के सब अंगों में परस्पर झगड़ा हो गया कि सबमें बड़ा कौन है? हर एक अंग अपने को बड़ा कहने लगा, आंख ने कहा-मैं बड़ी, नाक ने कहा -मैं, मुंह ने कहा- मैं और पांव ने कहा-मैं सबसे बड़ा हूं। हाथ भी पीछे क्यों रहते? हाथों ने कहा-मैं वास्तव में बड़ा हूं। सभी अंग इस विवाद को लेकर प्रजापति के पास गए और कहा, आप निर्णय दें कि हम सबमें बड़ा कौन है? प्रजापति ने सोचा, क्या बला आ गई है! आख़िर उन्होंने बड़ी चतुराई से काम लिया। उन्होंने कहा- जिसके न रहने से बाकी सब बेकार हो जाएं, वह बडा। सभी अंग प्रसन्न थे। हर एक को लगता था कि मेरे न रहने से सब बेकार! सब अहंकार से भर गए। आख़िर निर्णय को कार्यान्वित करने के लिए तय हुआ कि एक-एक करके देखा जाए, किसके बिना काम नहीं चल सकता? सबसे पहले आंख पृथक् हुई। एक वर्ष बाद उसने पुनः आकर देखा तो सारे काम ठीक चल रहे हैं। मेरे न होने के कारण कोई कष्ट न हुआ। मैंने सोचा था कि मेरे न होने पर काम नहीं चलेगा, पर यहां तो लाठी के सहारे काम चल रहा है। फिर कान महादेय पृथक् हुए, पर काम चलता रहा। इसी तरह पैर गए, हाथ गए, पर काम चलता रहा। मन पृथक हुआ तो शरीर को और सुख हुआ। बाक़ी अंगों ने कहा-महाराज! आप चले गए, बड़ा अच्छा रहा। लौटकर मत आइए। मन ने पूछा-क्यों? तो ज़बान बोली-तुम्हारे कारण कितनी तक़लीफ़ होती थी। यह मिठाई खाओ, वह चाट खाओ आदि सबसे मुक्ति मिल गई। आंख ने भी हां में हां मिलाई।

अब प्राणों की बारी आई। प्राण महोदय ने ज्यों ही बिस्तर बांधकर जाने की तैयारी की कि हलचल मच गई। आंख, कान, नाक, हाथ, पैर सब घबराए। उनकी अकल में आ गया कि भाई, यदि प्राण महोदय चले गए तो हम सब बेकार हो जाएंगे। सब मिलकर गए, बोले-महाराज! आप मत जाइए। आप जाएंगे तो हम सब समाप्त हो जाएंगे। आप सबसे बड़े हैं।

यही हाल राष्ट्र का है। राष्ट्र सुरक्षित है तो सब ठीक है। राष्ट्र के जितने अंग हैं, सब काम करेंगे। राष्ट्र है तो धर्म भी रह सकेगा; धन-धान्य भी रह सकेगा। हमारा मंत्री, राजा, हमारा अभियंता, हमारा कृषक सब काम करेंगे। इसलिए प्राण की भांति राष्ट्र सुरक्षित एवं सामर्थ्यवान रहे। यह हमारी पहली आवश्यकता होनी चाहिए।

यह एक त्रिकालाबाधित सत्य है कि राष्ट्र भाव को छोड़कर कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता, न अतीत में कर सका, न भविष्य में कर सकेगा। अतः राष्ट्रोद्धार का विचार करने वाले देशभक्त को इस मूल समस्या पर विचार करना चाहिए। जब तक धर्म और संस्कृति के बारे में पूर्वाग्रह छोड़कर उसके व्यापक और सनातन तत्व का साक्षात्कार कर राष्ट्र जीवन को सुदृढ़ बनाने का प्रयास नहीं होता, तब तक हमारी सर्वांगीण उन्नति का पथ अवरुद्ध ही रहेगा।

एकमेव मार्ग

हम विचार करें, आख़िर यह जो खाद्य समस्या हमारे सामने है, उसका हल क्या है? अन्न उपजाने का काम तो किसान ही करेगा। व्यापारी का काम व्यापारी करेंगे। प्रधानमंत्री का काम प्रधानमंत्री करेंगे और सेना का सेना। ऐसा अपेक्षित नहीं कि सेना को छुट्टी दे दी जाए और देश की रक्षा करने के लिए नागरिक मार्चिंग करते हुए लद्दाख में चीनियों से लड़ें। यहां तो सेना को ही लड़ना होगा, किंतु देश में एक समष्टिगत भाव, सामाजिकता, जीवन में सहकारी भाव उत्पन्न करना होगा। यही प्रमुख कार्य है। एक बार यदि यह हो तो बाक़ी के जितने अनेक अंग हैं, सब ठीक काम कर सकेंगे और यह भाव नष्ट हो गया तो न सेना देश के लिए लड़ेगी, न किसान देशवासियों की क्षुधा मिटाने के लिए परिश्रम करेगा। अतः राष्ट्र के चिरजीवन के लिए समष्टि भाव का जागरण आवश्यक है। आज राष्ट्रात्मा कमजोर हो गई है। एकात्मता के बंधन ढीले पड़ गए हैं। आत्मीयता का स्थान घृणा ने ले लिया है। इसी राष्ट्रभाव के ह्रास से अनेक समस्याओं को जन्म मिला है। इन समस्याओं का ऊपरी निदान समस्या का स्थायी हल नहीं प्रदान कर सकता। यह एक त्रिकालाबाधित सत्य है कि राष्ट्र भाव को छोड़कर कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता, न अतीत में कर सका, न भविष्य में कर सकेगा। अतः राष्ट्रोद्धार का विचार करने वाले देशभक्त को इस मूल समस्या पर विचार करना चाहिए। जब तक धर्म और संस्कृति के बारे में पूर्वाग्रह छोड़कर उसके व्यापक और सनातन तत्त्व का साक्षात्कार कर राष्ट्र जीवन को सुदृढ़ बनाने का प्रयास नहीं होता, तब तक हमारी सर्वांगीण उन्नति का पथ अवरुद्ध ही रहेगा। ■

-पाञ्चजन्य, दिसंबर 5, 1960

जननेता भैरोंसिंह शेखावत

(23 अक्टूबर 1923 – 15 मई 2010)

भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी को सशक्त करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले भैरोंसिंह शेखावत भारत के ग्यारहवें उपराष्ट्रपति और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री थे। वे राजस्थान के राजनीतिक क्षितिज पर काफ़ी लम्बे समय तक छाये रहे। राजस्थान की राजनीति में उनका जबर्दस्त प्रभाव था। उनके कार्यकर्ताओं ने उन पर एक जोरदार नारा भी दिया, जो इस प्रकार था- "राजस्थान का एक ही सिंह, भैरोंसिंह...भैरोंसिंह। यह नारा बहुत लंबे समय तक गूंजता रहा था। भैरोंसिंह शेखावत 1952 में विधायक बने। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सफलताएं अर्जित करते हुए विपक्ष के नेता, फिर मुख्यमंत्री और उपराष्ट्रपति बने।

भैरोंसिंह शेखावत का जन्म 23 अक्टूबर 1923 को सीकर (राजस्थान) में हुआ। इनके पिता का नाम देवीसिंह और माता बन्ने कंवर थीं। भैरोंसिंह शेखावत ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गांव की पाठशाला में ही प्राप्त की। हाईस्कूल करने के पश्चात् उन्होंने जयपुर के 'महाराजा कॉलेज' में दाखिला ले लिया। उन्होंने पुलिस की नौकरी भी की, लेकिन उसमें मन नहीं रमा और त्यागपत्र देकर वापस खेती करने लगे।

भैरोंसिंह शेखावत जनसंघ के संस्थापक काल से ही जुड़ गये और 'जनता पार्टी' तथा 'भाजपा' की स्थापना में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1952 में वे दस रुपये उधार लेकर दाता रामगढ़ से चुनाव के लिए खड़े हुए। इस समय उनका चुनाव चिह्न 'दीपक' था। इस चुनाव में उन्हें सफलता मिली और वे विजयी हुए। इस सफलता के बाद उनका राजनीतिक सफर लगातार चलता रहा। वे दस बार विधायक, 1974 से 1977 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। अपने लम्बे राजनीतिक सफर में भैरोंसिंह शेखावत 1977 से 1980, 1990 से 1992 और 1993 से 1998 तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे और 2002 में भारत के उपराष्ट्रपति बने । भैरोंसिंह शेखावत का निधन 15 मई 2010 को हुआ। आजीवन राष्ट्रहित में काम करने वाले जननेता शेखावत जी ग़रीबों के सच्चे सहायक थे। उन्होंने कहा कि मैं ग़रीबों और वंचित तबके के लिए काम करता रहूंगा, ताकि वे अपने मौलिक अधिकारों का गरिमापूर्ण तरीक़े से इस्तेमाल कर सकें। ■

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक के. आर. मलकानी

(19 नवम्बर 1921– 27 अक्टूबर 2003)

केवलराम रतनमल मलकानी (के. आर. मलकानी) एक प्रखर चिंतक, राजनेता, आदर्शवादी, सैद्धांतिक पत्रकार व कर्मयोगी थे। वे भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष एवं पांडीचेरी के राज्यपाल रहे। वह एक समर्थ विचारक एवं लेखक भी थे। मलकानी जी का जन्म 19 नवंबर, 1921 को हैदराबाद (सिन्ध) में हुआ था। युवाकाल में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए और 1941 से 2003 तक वे आजीवन संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक रहे। मलकानी जी राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र 'ऑर्गेनाइजर' के संपादक थे। उनके ही आग्रह पर पं. दीनदयाल उपाध्याय ने आर्गेनाइजर में साप्ताहिक 'पालिटिकल डायरी' लिखना प्रारंभ किया।

मलकानी जी निर्भीक व निःस्वार्थी थे। उनका जीवन बहुत सादा और कठिन था। 1971 में 'मदरलैंड' नामक दैनिक पत्र प्रारंभ हुआ। मदरलैंड के संपादन का जिम्मा व प्रबंधन मलकानी जी पर था। आपातकाल की घोषणा के बाद मलकानी जी पकड़े गए और पूरे उन्नीस महीने जेल काटकर आपातकाल समाप्त होने पर छोड़े गए। उनके जेल जीवन की कहानी उनकी कलम से 'मिडनाईट नॉक' नामक पुस्तक के रूप में सामने आयी। 'मदरलैंड' बंद होने के बाद मलकानी जी पुनः आर्गेनाइजर के संपादक पद पर वापस आये और 1982 में 62 वर्ष की आयु में आर्गेनाइजर के संपादक दायित्व से निवृत्त हुए। मलकानी जी ने भाजपा के मुखपत्र 'बीजेपी टुडे' का भी संपादन किया।

मलकानी जी को जब उपाध्यक्ष पद सौंपा गया तब उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान के गैर-राजनीतिक चरित्र का आदर करते हुए उसके दायित्वों से मुक्ति ले ली और वे उपाध्यक्ष के नाते भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पूरे समय बैठने लगे। 1994 से 2000 तक वे राज्यसभा के सदस्य रहे, पर उनकी कलम कभी रुकी नहीं।

मलकानी जी आजन्म योद्धा रहे। संपादक के पत्र स्तंभ हो, या टेलीविजन पर बहस, हर जगह मलकानी जी का राष्ट्रवादी स्वर गूंजता रहा। वे जुलाई 2002 में पांडिचेरी के उपराज्यपाल पद पर नियुक्त हुए। 27 अक्टूबर 2003 को उन्होंने अंतिम सांस ली। मलकानी जी का जीवन आदर्शवादी, सिद्धान्तनिष्ठ पत्रकारिता के लिए प्रकाशस्तंभ है, प्रेरणास्रोत है। ■

भारत और दुनिया को क्यों है गांधी की जरूरत?

नरेन्द्र मोदी

डॉ. मार्टिन लुथर किंग जूनियर जब 1959 में भारत आए तो उन्होंने कहा, 'दूसरे देशों में मैं एक पर्यटक की तरह जा सकता हूं, लेकिन भारत में मैं एक तीर्थयात्री हूं।' उन्होंने कहा, 'शायद अन्य बातों से बढ़कर भारत ऐसी भूमि है जहां अहिंसक सामाजिक बदलाव की तकनीकें विकसित की गईं, जिन्हें मेरे लोगों ने अलाबामा के मोंटगोमेरी और अमेरिका के पूरे दक्षिण में आजमाया है। हमने उन्हें प्रभावी पाया है- वे काम करती हैं!'

जिसके कारण डॉ. किंग भारत आए,वह राह दिखाने वाली रोशनी मोहन दास करमचंद गांधी, महात्मा थे। बुधवार को हमने उनकी 150वीं जयंती मनाई। बापू दुनियाभर में करोड़ों लोगों को आज भी हौसला दे रहे हैं। प्रतिरोध के गांधीवादी तरीकों ने कई अफ्रीकी देशों में उम्मीद की भावना प्रज्वलित की। डॉ. किंग ने कहा था, 'जब मैं पश्चिम अफ्रीका में घाना गया तो प्रधानमंत्री नक्रुमाह ने मुझसे कहा कि उन्होंने गांधीजी के काम के बारे में पढ़ा है और महसूस किया कि अहिंसक प्रतिरोध का वहां विस्तार किया जा सकता है। हमें याद आता है कि दक्षिण अफ्रीका में भी बस बॉयकाट हुए हैं।'

नेल्सन मंडेला ने गांधीजी को 'पवित्र योद्धा' कहते हुए लिखा, 'असहयोग की उनकी रणनीति, उनका इस बात पर जोर देना कि हम पर किसी का प्रभुत्व तभी चलेगा जब हम हमें अधीन रखने वाले से सहयोग करेंगे। और उनके अहिंसक प्रतिरोध ने हमारी सदी में कई उपनिवेश और नस्लवाद विरोधी आंदोलनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रेरित किया।' मंडेला के लिए गांधी भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी थे। गांधीजी भी उनसे सहमत होते। उनमें मानव समाज के सबसे बड़े विरोधाभासों में पुल बनने की अनूठी योग्यता थी। 1925 में गांधी ने 'यंग इंडिया' में लिखाः 'किसी व्यक्ति के लिए राष्ट्रवादी हुए बगैर अंतरराष्ट्रीयवादी होना असंभव है। अंतरराष्ट्रीयवाद तभी संभव होता है जब राष्ट्रवाद एक तथ्य बन जाता है अर्थात जब अलग-अलग देशों के लोग संगठित होते हैं और फिर मिलकर कार्य करने में कामयाब होते हैं।' उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद की इस रूप में कल्पना की थी कि जो संकुचित न हो, बल्कि ऐसा हो जो पूरी मानवता की सेवा करे।

महात्मा गांधी समाज के सभी वर्गों में भरोसे के प्रतीक भी थे। 1917 में गुजरात के अहमदाबाद में कपड़ा मील की बड़ी हड़ताल हुई। जब मिल मालिकों और श्रमिकों के बीच टकराव बहुत बढ़ गया तो गांधीजी ने मध्यस्थता करके न्यायसंगत समझौता कराया। गांधीजी ने श्रमिकों के अधिकारों के लिए मजूर महाजन संघ गठित किया था। इससे उजागर होता है कि कैसे छोटे कदम बड़ा प्रभाव छोड़ते हैं। उन दिनों 'महाजन' शब्द का उपयोग श्रेष्ठवर्ग के लिए आदर स्वरूप प्रयोग किया जाता था। गांधीजी ने 'महाजन' के साथ 'मजूर' जोड़कर सामाजिक संरचना को उलट दिया। श्रमिकों के गौरव को बढ़ा दिया था और गांधीजी ने साधारण चीजों को व्यापक जनमानस की राजनीति से जोड़ा। चरखे और खादी को राष्ट्र की आत्म-निर्भरता और सशक्तिकरण से और कौन जोड़ सकता था? चुटकी भर नमक से कौन विशाल जन-आंदोलन खड़ा कर सकता था! औपनिवेशिक राज में नमक कानून के तहत भारतीय नमक पर लगाया नया टैक्स बोझ था। 1930 की दांडी यात्रा के माध्यम से गांधीजी ने नमक कानून को चुनौती दी और ऐतिहासिक सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया। दुनिया में कई जन-आंदोलन हुए हैं, कई तरह के स्वतंत्रता संघर्ष, भारत में भी। लेकिन जनता की व्यापक भागीदारी गांधीवादी संघर्ष या उनसे प्रेरित संघर्षों को उनसे अलग करती है।

उनके लिए स्वाधीनता विदेशी शासन

आइए, हमारी दुनिया को समृद्ध बनाने और नफरत और तकलीफों से मुक्त करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। तभी हम महात्मा गांधी के सपने को पूरा करेंगे, जो उनके प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो' में व्यक्त हुआ है। यह कहता है कि सच्चा मानव वह है जो दूसरे के दर्द को महसूस कर सके, तकलीफों को दूर करें और इसका उसे कभी अहंकार न हो।

की गैर-मौजूदगी का नाम नहीं था। उन्होंने राजनीतिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सशक्तिकरण में गहरा संबंध देखा। उन्होंने ऐसी दुनिया की कल्पना की थी, जिसमें हर नागरिक के लिए गरिमा व समृद्धि हो। जब दुनिया अधिकारों की बात करती है तो गांधी कर्तव्यों पर जोर देते हैं। उन्होंने 'यंग इंडिया' में लिखा : 'कर्तव्य ही अधिकारों का सच्चा स्रोत है। यदि हम सब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तो अधिकार ज्यादा दूर नहीं रहेंगे।' 'हरिजन' पत्रिका में उन्होंने लिखा, 'जो अपने कर्तव्यों को व्यवस्थित ढंग से अंजाम देता है उसे अधिकार अपने आप मिल जाते हैं।' धरती के उत्तराधिकारी के रूप में हम इसके कल्याण के लिए भी जिम्मेदार हैं, जिसमें इसकी वनस्पतियां और जीव शामिल हैं। गांधीजी के रूप में हमें मार्गदर्शन देने वाला सर्वश्रेष्ठ शिक्षक उपलब्ध है। मानवता में भरोसा रखने वालों को एकजुट करने से लेकर टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाने और आर्थिक स्वावलम्बन सुनिश्चित करने तक गांधी ने हर समस्या का समाधान देते हैं। हम भारतीय इस दिशा में अपना दायित्व निभा रहे हैं। जहां तक गरीबी मिटाने की बात है भारत सबसे तेजी से काम करने वाले देशों में है। स्वच्छता के हमारे प्रयासों ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इंटरनेशनल सोलर अलायंस जैसे प्रयासों के माध्यम से भारत अक्षय ऊर्जा स्रोतों के दोहन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस अलायंस ने कई देशों को टिकाऊ भविष्य की खातिर सौर ऊर्जा के दोहन के लिए एक किया है। हम दुनिया के साथ मिलकर और दुनिया के लिए और भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

गांधीजी को श्रद्धांजलि देने के लिए मैं उस बात की पेशकश करता हूं जिसे मैं आइंस्टीन चैलेंज कहता हूं। हम गांधीजी के बारे में अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध वक्तव्य जानते हैं, 'आने वाली पीढ़ियां मुश्किल से ही विश्वास करेंगी कि रक्त-मांस का जीता-जागता ऐसा कोई व्यक्ति धरती पर हुआ था।' हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि गांधीजी के आदर्श भावी पीढ़ियां भी याद रखें? मैं विचारकों, उद्यमियों और टेक्नोलॉजी लीडर्स को आमंत्रित करता हूं कि वे इनोवेशन के जरिये गांधीजी के विचारों को फैलाने में अग्रणी भूमिका निभाएं।

आइए, हमारी दुनिया को समृद्ध बनाने और नफरत और तकलीफों से मुक्त करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। तभी हम महात्मा गांधी के सपने को पूरा करेंगे, जो उनके प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो' में व्यक्त हुआ है। यह कहता है कि सच्चा मानव वह है जो दूसरे के दर्द को महसूस कर सके, तकलीफों को दूर करें और इसका उसे कभी अहंकार न हो।

दुनिया का आपको नमन, प्रिय बापू! ■

(द न्यूयॉर्क टाइम्स के संपादकीय पृष्ठ पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्रकाशित लेख।)

दैनिक भास्कर से साभार

पश्चिम बंगाल में विभाजन और झूठ की राजनीति से मुकाबला

डॉ. अनिर्बान गांगुली

एक अक्टूबर को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार कोलकाता में नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएबी) और एनआरसी पर एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारत की एकता को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। वह एक प्रेरणादायक क्षण था जब श्री शाह ने यहां मौजूद लोगों को डॉ. मुखर्जी की स्मृति में खड़े होने और भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने अंतिम संघर्ष के लिए कश्मीर को चुनने वाले श्री मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने का आह्वान किया। यह एक भावनात्मक क्षण था, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने डॉ. मुकर्जी को उनके ही शहर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद श्रद्धांजलि अर्पित की। यह वह क्षण था, जिसका सपना डॉ. मुखर्जी ने हमेशा देखा और इसके साथ जुड़ने की उम्मीद की। यह बंगाल और बंगालवासियों के लिए आनन्दित करने वाला और सच्चा क्षण था।

श्री शाह ने पश्चिम बंगाल के लोगों का भी आभार व्यक्त किया, जिनका समर्थन पार्टी को चुनाव में मिला। उन्होंने कहा कि यह बंगाल के लोगों का समर्थन ही है जिसने पार्टी को 300 का आंकड़ा पार करने में सक्षम बनाया। बंगाल में जारी राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध के बावजूद पार्टी का आधार बढ़ने के लिए श्री शाह ने अपने कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद करते हुए कहा कि इन कार्यकर्ताओं के संघर्ष का ही नतीजा है कि पार्टी आज राज्य में इस ऊंचे मकाम पर जा पहुंची है। वास्तव में परिवर्तन की तेज लहर, राज्य में बिगड़ती स्थिति और पलायन ने लोगों को बदलाव के लिए वोट करने के लिए प्रेरित किया, लोगों ने न्यू इंडिया के कथन को आत्मसात किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी बताया कि कैसे आजादी के बाद के दशकों में पश्चिम बंगाल राज्य के विकास में एक बहु-आयामी गिरावट को देखी गई है। कम्युनिस्ट शासन और अब तृणमूल कांग्रेस के शासन ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास को भारी नुकसान पहुंचाया है, लोगों के लिए अवसर कम हुए है और कुल मिलाकर राज्य की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। इस परिस्थिति को तभी उलटा सकता है जब राज्य में विकासपरक भाजपा की सरकार बनेगी। तथ्यों और आंकड़ों के साथ श्री शाह ने जो दृष्टिकोण रखा, वह स्पष्ट रूप से उस ओर इशारा करता है जिस वास्तविक संकट का सामना आज पश्चिम बंगाल कर रहा है, यह एक ऐसी परिस्थिति है जिसको लेकर अब तक की सरकारें उदासीन ही रही हैं। वास्तव में इन सरकारों ने राज्य की स्थिति को केवल बद से बदतर ही किया है।

सत्तारूढ़ टीएमसी ने अपनी विभाजनकारी राजनीति के साथ अक्सर भाजपा को बाहरी लोगों की पार्टी के रूप में परिभाषित किया है। ऐसा करते वक्त यह लोग इस बात को भूल जाते है कि भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अपने समय के सबसे बड़े बंगाली राष्ट्रीय नेताओं में से एक थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि ममता बनर्जी अभी भी अपने तर्कों में भाजपा को बाहरी लोगों की पार्टी के रूप में स्थापित करना चाहती है। वह नहीं जानती हैं कि आचार्य देवप्रसाद घोष, जो कि अपने समय की एक लोकप्रिय शख्सियत, शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी थे, वह जनसंघ के सबसे लंबे समय तक सेवारत अध्यक्ष रहे। ममता बनर्जी यह भी भूल गई हैं कि लगभग दो दशक पहले भाजपा ने पश्चिम बंगाल से दो नेताओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान दिया था- सत्यव्रत मुखर्जी और तपन सिकदर, जिन्होंने राज्य की राजनीति में अपनी छाप छोड़ी और राज्य में पार्टी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अपने समय के सबसे बड़े बंगाली राष्ट्रीय नेताओं में से एक थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि ममता बनर्जी अभी भी अपने तर्कों में भाजपा को बाहरी लोगों की पार्टी के रूप में स्थापित करना चाहती है। वह नहीं जानती हैं कि आचार्य देवप्रसाद घोष, जो कि अपने समय की एक लोकप्रिय शख्सियत, शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी थे, वह जनसंघ के सबसे लंबे समय तक सेवारत अध्यक्ष रहे।

थी। ममता बनर्जी निश्चित रूप से इस बात को याद नहीं रखना चाहेंगी कि यह स्वयं भाजपा के नेतृत्व वाले अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिमंडल का हिस्सा रही, जो सरकार उन दिनों कम्युनिस्टों के खिलाफ लगातार ममता बनर्जी के समर्थन में खड़ी थी और जिस सरकार ने कम्युनिस्टों द्वारा उसके राजनीतिक पतन की साजिश को नाकाम करने में उनका साथ दिया।

श्री अमित शाह ने इन सभी तथ्यों को पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी को याद दिलाया। उन्होंने जो मार्मिक प्रश्न पूछा, वह यह था कि 'क्या वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी नहीं थे, जिन्होंने बंगाल को बचाया और जिन्ना के पाकिस्तान में जाने से रोका?' यह एक ऐसा सवाल है जिसे बंगाली मानस तक पहुंचना बेहद जरूरी है और यह एक ऐसा सवाल भी है जिसका जवाब पश्चिम बंगाल में भाजपा के विरोधियों के पास भी नहीं हैं। क्या श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल के एक हिस्से को नुकसान पहुंचाने से नहीं बचाया, तो अब अगर ऐसा नहीं होता तो उनकी आलोचना करने वाले, या अतीत में उनकी विरासत को हाशिए पर रखने वालों को अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाए रखने में खासी परेशानी होती। जिन्ना का पाकिस्तान निश्चित रूप से उनके अस्तित्व के लिए एक कठोर स्थान होता। इसलिए, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी द्वारा बार-बार कहा गया कि भाजपा एक बाहरी लोगों की पार्टी है, जो एक फर्जी तर्क है और इसे यदि इतिहास की पृष्ठभूमि में देखा जाए तो यह कहीं नहीं टिकता है।

लेकिन श्री शाह के संबोधन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा एनआरसी मुद्दे पर फैलाएं जा रहे दुष्प्रचार पर स्पष्टीकरण रहा। पिछले एक महीने से टीएमसी और पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों के लुप्तप्राय बुद्धिजीवियों और नेताओं ने एनआरसी के मुद्दे पर एक गलत प्रचार अभियान चलाया हुआ है। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है, जिससे राज्य में आम मतदाता, विशेष तौर पर राजनीतिक और धार्मिक शोषण के कारण पलायन करने वाले बंगाली हिंदू शरणार्थियों के बीच दहशत, भ्रम और भय का माहौल फैलाया जा सके। श्री शाह ने अपनी बात को स्पष्ट शब्दों में बयान करते हुए कहा है कि मोदी सरकार इस बात को लेकर स्पष्ट है कि राज्य में पहले नागरिकता संशोधन विधेयक पारित किया जाएगा और फिर एनआरसी को लागू किया जाएगा। उन्होंने इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि कोई भी शरणार्थी - हिंदू, सिख, बौद्ध, ईसाई, जैन जो भारत के पड़ोसी देशों से आए हैं, उन्हें भारत छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। उन्हें नागरिकता प्रदान की जाएगी। यह केवल अवैध घुसपैठियों के संदर्भ में हैं, जिनकी पहचान कर उनको वापिस भेजा जाएगा। श्री शाह ने सभी कार्यकर्ताओं से राज्य भर में इस संदेश को ले जाने की अपील की है।

केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में उनका संदेश स्पष्ट था, उन्होंने लोगों को यह भी याद दिलाया कि टीएमसी और सीपीएम जैसे दलों ने संसद में जब सीएबी का विरोध किया था, तो इसका मतलब था कि उन्होंने शरणार्थियों को नागरिकता देने का विरोध किया था। श्री शाह ने राज्य के लोगों को यह भी याद दिलाया कि 2005 में जब ममता बनर्जी ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ बात की थी, तो उन्होंने यह कहते हुए स्पीकर की कुर्सी पर कागज फेंके थे कि अवैध घुसपैठिए पश्चिम बंगाल की जनसंख्या को प्रभावित कर रहे हैं और इस क्षेत्र के माहौल को खराब कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में उनका संदेश स्पष्ट था, उन्होंने लोगों को यह भी याद दिलाया कि टीएमसी और सीपीएम जैसे दलों ने संसद में जब सीएबी का विरोध किया था, तो इसका मतलब था कि उन्होंने शरणार्थियों को नागरिकता देने का विरोध किया था। श्री शाह ने राज्य के लोगों को यह भी याद दिलाया कि 2005 में जब ममता बनर्जी ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ बात की थी, तो उन्होंने यह कहते हुए स्पीकर की कुर्सी पर कागज फेंके थे कि अवैध घुसपैठिए पश्चिम बंगाल की जनसंख्या को प्रभावित कर रहे हैं और इस क्षेत्र के माहौल को खराब कर रहे हैं। वहीं ममता बनर्जी अब एक नया राग गा रही हैं, वह केवल अपने वोट-बैंक (अवैध घुसपैठी) की रक्षा कर रही है। इसी क्रम में वह सीएबी के विरोध के साथ-साथ जानबूझकर एनआरसी मुद्दे पर आतंक फैला रही हैं।

इसका संदेश स्पष्ट है, टीएमसी और कम्युनिस्ट की भूमिका उजागर हो चुकी है और सीमावर्ती क्षेत्रों में शरणार्थियों आनन्दित है। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि अवैध घुसपैठियों के लिए भारत में कोई स्थान नहीं है। उन्हें यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है, जबकि शरणार्थी- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई- जो दूसरे देशों से भारत में आए थे, उन्हें यहां रहने और नागरिकता हासिल करने का पूर्ण अधिकार है।

अमित शाह के इस दौरे से राज्य की हवा साफ हो गई है, अमित शाह का संवाद सीधे लोगों के साथ था, श्री शाह इस झूठ की हवा निकालने के लिए कोलकाता गए थे, उन्होंने ऐसा ही किया, उन्होंने अपनी बात को बेहद सहज अंदाज से जनता के समक्ष रखा और जनता ने भी इसका पूर्ण समर्थन किया। अब हमारा कार्य यह है कि इस अभियान के संदेश को जमीनी स्तर तक ले जाया जाए और पश्चिम बंगाल में टीएमसी और कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा विभाजन एवं भय की राजनीति का मुकाबला पूरी दृढ़ता से किया जाए। ■

(लेखक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक हैं)

भारत ने युद्ध नहीं बुद्ध दिए: नरेन्द्र मोदी

आतंकवाद को पूरे विश्व के लिए चुनौती करार देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितंबर को इसके खिलाफ दुनिया से एकजुट होने का आह्वान किया और विश्व शांति के प्रति भारत के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हमने दुनिया को "युद्ध नहीं बुद्ध" दिए हैं।

श्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र को हिंदी में संबोधित करते हुए कहा, "आतंक के नाम पर बंटी दुनिया उन सिद्धांतों को ठेस पहुंचाती है, जिनके आधार पर संयुक्त राष्ट्र का जन्म हुआ। मैं समझता हूं कि आतंकवाद के खिलाफ पूरे विश्व का एकजुट होना अनिवार्य है।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इससे पहले 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री ने अपने ताजा संबोधन में कश्मीर और पाकिस्तान का कोई उल्लेख नहीं किया। श्री मोदी ने स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और तमिल कवि कणियन पूंगुन्ड्रनार के संदेशों को एक बार फिर विश्व पटल पर मजबूती से रखा।

स्वामी विवेकानंद के 125 साल पहले शिकागो में धर्म संसद में दिए संदेश का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का आज भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए शांति और सौहार्द ही, एकमात्र संदेश है।"

उन्होंने यह भी कहा, "हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिए हैं, शांति का संदेश दिया है।" उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भारत ने सबसे ज्यादा योगदान दिया है। श्री मोदी ने आतंकवाद को लेकर कड़ा संदेश देते हुए कहा, "हमारी आवाज में आतंक के खिलाफ दुनिया को सतर्क करने की गंभीरता भी है, आक्रोश भी है। हम मानते हैं कि यह किसी एक देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।"

उन्होंने कहा कि 130 करोड़ भारतीयों की तरफ से संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करना गौरव की बात है। श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद करते हुए कहा कि सत्य और अहिंसा का संदेश पूरे विश्व के लिए आज भी प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में हम जल संरक्षण के साथ 15 करोड़ परिवारों को पाइप के जरिए पेयजल आपूर्ति से जोड़ने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम जन-भागीदारी से जन-कल्याण की दिशा में काम कर रहे हैं और यह केवल भारत ही नहीं "जग-कल्याण" के लिए है।

उन्होंने कहा कि एक विकासशील देश होने के बावजूद भारत स्वच्छता, स्वास्थ्य, जल संरक्षण और गरीबों के लिये आवास की सबसे बड़ी योजनाओं को कारगर तरीके से लागू करने में सफल रहा हैं। यह विश्व समुदाय के लिये संवेदनशील व्यवस्था के प्रति नया मार्ग प्रशस्त करता है और अन्य देशों में जनकल्याण के प्रति विश्वास भी पैदा करता है।

श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2022 में जब भारत आजादी के 75 साल पूरे करेगा, तब गरीबों के लिये दो करोड़ घर बना लिये जायेंगे। इसी तरह विश्व ने टीबी से मुक्ति के लिये 2030 का समय तय किया है जबकि भारत ने 2025 तक ही इससे मुक्ति का लक्ष्य बनाया है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में कहा, "अगर इतिहास और प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के नजरिए से देखें तो ग्लोबल वार्मिंग में भारत का योगदान कम है, लेकिन समाधान के लिए कदम उठाने में भारत अग्रणी देश है।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "ग्लोबल वार्मिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है, उसके नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। इसी को देखते हुए भारत ने सीडीआरआई की पहल की है। दुनिया के देशों को इससे जुड़ने का निमंत्रण देता हूं। इससे प्राकृतिक आपदाओं का असर कम से कम होगा।"

श्री मोदी ने कहा, "सवाल ये है कि आखिर हम यह सब कैसे कर पा रहे हैं? यह बदलाव तेजी से कैसे आ रहा है? भारत हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति है, जिसकी जीवंत परंपरायें

हैं, जो वैश्विक सपनों को अपने में समेटे हुए है। हमारी संस्कृति जीव में शिव को देखती है। जन-भागीदारी से जन-कल्याण और जन-कल्याण से जग-कल्याण में यकीन रखती है।"

श्री मोदी ने कहा कि इसी मार्ग पर चलकर भारत की प्रेरणा है 'सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जैसे ही प्रयास जब अन्य देश भी करते हैं तब उनका यह विश्वास एवं संकल्प और भी मजबूत हो जाता है कि वह अपने देश का विकास और तेजी से करें।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान शुरू करने से कुछ दिनों पहले उन्होंने दुनिया के समक्ष अपनी सरकार की इस पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "मैंने यहां संयुक्त राष्ट्र के भवन में प्रवेश करते हुए एक दीवार पर लिखी अपील पर गौर किया कि संयुक्त राष्ट्र से एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक से मुक्त बनने को कहा गया है।"

श्री मोदी ने कहा, "मुझे इस महान सभा को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज जब मैं आपको संबोधित कर रहा हूं, भारत को एकल प्रयोग प्लास्टिक से मुक्त बनाने के लिए पूरे देश में एक बड़ा अभियान शुरू हो गया है।"

प्रधानमंत्री ने विश्व के विभिन्न देशों से प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान पर अंकुश लगाने के लिए भारत की पहल 'आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन' (सीडीआरआई) से जुड़ने का निमंत्रण भी दिया।

उन्होंने कहा कि हम अक्षय ऊर्जा को लेकर काम कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को लेकर भी कदम उठाया गया है। ■

'समकालीन विश्व में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता'

समकालीन विश्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं गांधीजी के विचारः नरेन्द्र मोदी

शांति और अहिंसा के वैश्विक प्रतीक महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 74वें संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर 25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के आर्थिक एवं सामाजिक परिषद चैंबर में एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी की।

इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस, कोरिया के राष्ट्रपति श्री मून जे-इन, सिंगापुर के प्रधानमंत्री श्री ली सियन लूं, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री सुश्री शेख हसीना, जमैका के प्रधानमंत्री श्री एंड्रयू होलनेस, न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री और सुश्री जैकिंडा अर्डर्न मौजूद थीं।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भूटान के प्रधानमंत्री श्री लोटे त्शेरिंग, कोरिया की प्रथम महिला सुश्री किम जंग-सूक, संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारी और इसके सदस्य राष्ट्रों के राजनयिक भी शामिल हैं।

कार्यक्रम में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में शामिल हस्तियों ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय (संयुक्त राष्ट्र में भारत सरकार द्वारा योगदान) में गांधी सौर पार्क, ओल्ड वेस्टबरी में स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में गांधी शांति उद्यान का उद्घाटन किया और संयुक्त राष्ट्र डाक प्रशासन द्वारा लाए गए 150 रुपये के डाक टिकट के स्मारक संस्करण का अनावरण किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मुख्य भाषण में 20वीं शताब्दी में आजादी की सबसे बड़ी लड़ाई में महात्मा गांधी के योगदान की चर्चा की और सबके कल्याण (सर्वोदय), दलितों के हिमायती (अंत्योदय) और पर्यावरण की स्थिरता के लिए चिंता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी की सामूहिक इच्छा, साझा नियति, नैतिक उद्देश्य, जन आंदोलन और व्यक्तिगत जिम्मेदारी समकालीन समय के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि गांधी ने हमें किसी भी नीति और कार्रवाई को परखने के लिए एक ताबीज दिया है कि यदि प्रस्तावित कार्रवाई से सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन गरिमा और भाग्य में वृद्धि होती है तो वह नीति अपनाने योग्य है। स्वच्छता, मातृ स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, लिंग संतुलन, महिला सशक्तीकरण, भूख में कमी और विकास के लिए साझेदारी सुनिश्चित करना गांधी के जीवन और अभ्यास का आधार था, जो सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों या सतत विकास लक्ष्यों से काफी पहले था। दरअसल गांधी के दर्शन में सतत विकास लक्ष्य शामिल था।

कार्यक्रम में शामिल नेताओं ने कहा कि महात्मा गांधी की विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए होगी।

सच तो यह है कि महात्मा गांधी का नाम जाति, धर्म और राष्ट्र-राज्यों की सीमाओं को पार करता है और इक्कीसवीं सदी की भविष्यसूचक वाणी के रूप में उभरा है। गांधी एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे। गांधी एक राष्ट्रवादी और एक अंतर्राष्ट्रीयवादी, एक परंपरावादी एक सुधारवादी, एक राजनीतिक नेता, एक आध्यात्मिक गुरु, एक लेखक, एक विचारक और सामाजिक सुधार और बदलाव के लिए बड़े कार्यकर्ता थे। ■

भारत में है डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड एवं डिसाइवनेस: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितंबर को न्यूयॉर्क में ब्लूमबर्ग ग्लोबल बिजनेस मंच पर प्रमुख व्याख्यान दिया। प्रतिष्ठित लोगों की सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस अवसर का उपयोग भारत की विकास गाथा की भविष्य की दिशा के बारे में बात करने के लिए करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास गाथा चार स्तंभों डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड एवं डिसाइवनेस अर्थात् लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और निर्णायकता पर आधारित है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को देश में राजनीतिक स्थिरता के माहौल से लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा लागू किए गए सफल सुधारों की वैश्विक मान्यता पर भी प्रकाश डाला।

इस संबंध में उन्होंने लॉजिस्टिक्स परफॉरमेंस इंडेक्स यानी लॉजिस्टिक्स कुशलता सूचकांक में दस पायदान की छलांग, वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक में तेरह अंकों की छलांग, ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में चौबीस पायदान की वृद्धि के साथ ही विश्व बैंक की गणना के अनुसार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स यानी कारोबारी सुगमता सूचकांक में 65 पायदान के सुधार का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने ब्लूमबर्ग नेशनल ब्रांड ट्रैकर 2018 सर्वेक्षण का भी जिक्र किया, जिसने हाल ही में वैश्विक निवेश को आकर्षित करने वाली एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में भारत को शीर्ष स्थान दिया है। इस रिपोर्ट के 10 में से 7 संकेतकों– राजनीतिक स्थिरता, मुद्रा स्थिरता, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद, भ्रष्टाचार विरोधी रुख, कम उत्पादन लागत, रणनीतिक स्थान और आईपीआर को सम्मान देने के लिए भारत को शीर्ष स्थान पर रखा गया है।

प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के मोर्चे पर भी प्रधानमंत्री ने वैश्विक व्यापार समुदाय को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि उनकी तकनीक तथा भारत की प्रतिभा मिलकर दुनिया बदल सकती है; भारत के कौशल के साथ उनकी स्केल यानी व्यापकता वैश्विक आर्थिक विकास को गति दे सकती है। प्रधानमंत्री के मुख्य भाषण के बाद उनका ब्लूमबर्ग के संस्थापक श्री माइकल ब्लूमबर्ग के साथ एक संवाद सत्र भी हुआ। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के इतर 24 सितम्बर को अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। ह्यूस्टन में दोनों नेताओं के 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दो दिन बाद यह बैठक हुई।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयार्क में यूएन सत्र के इतर मुलाकात की। ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में दोनों नेताओं के भाग लेने के दो दिन बाद यह बैठक हुई।''

पिछले पांच सालों में विश्व मंच पर भारत के प्रति सम्मान काफी बढ़ा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 सितंबर को कहा कि पिछले पांच सालों में विश्व मंच पर भारत के प्रति सम्मान और उत्सुकता काफी बढ़ी है। श्री मोदी ने यह बात अमेरिका की करीब एक सप्ताह की यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किये जाने के बीच कही।

श्री मोदी ने दिल्ली स्थित पालम हवाई अड्डे पर जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ह्यूस्टन में प्रवासी भारतीयों के भव्य कार्यक्रम 'हाउडी मोदी' में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा रिपब्लिकन एवं डेमोक्रेट दोनों पहुंचे। इस दौरान जिस तरह से अमेरिका में भारतीय समुदाय ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, वह बहुत बड़ी बात थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''2014 में प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद मैं संयुक्त राष्ट्र गया था। मैं अब भी संयुक्त राष्ट्र गया। इन पांच सालों में मैंने बहुत बड़ा बदलाव देखा। भारत के प्रति सम्मान, भारत के प्रति उत्सुकता काफी बढ़ी है। इसका मुख्य कारण 130 करोड़ भारतीय हैं जिन्होंने एक मजबूत सरकार को चुना है।"

दिल्ली से भाजपा के छह सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा शहर में प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मौजूद थे। प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रमुख और राज्यसभा सांसद श्री विजय गोयल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्री मोदी ने इसे "यादगार स्वागत" करार दिया। प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के बाहर मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने दिल्ली पुलिस की तरफ से किए गए सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच रोडशो भी किया।

श्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के लांच पैड पर हुए सर्जिकल स्ट्राइक को याद किया और कहा कि तीन साल पहले इस दिन वह सारी रात नहीं सोए और फोन की घंटी के बजने का इंतजार करते रहे।

उन्होंने कहा, ''वह दिन भारत के बहादुर सैनिकों की जीत का प्रतीक था जिन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक किया और भारत का सिर ऊंचा किया।" गौरतलब है कि प्रधानमंत्री 28 सितंबर की रात को अमेरिका की यात्रा से भारत लौटे। अमेरिका में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा 'हाउडी मोदी' समेत कई कार्यक्रमों को संबोधित किया।

भाजपा ने पालम टेक्निकल एरिया के बाहर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया। वहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता जुटे। दिल्ली रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने असाधारण स्वागत, आतिथ्य के लिए अमेरिका के लोगों को धन्यवाद दिया और विश्वास व्यक्त किया कि अमेरिका में अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने जो विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, उससे भारत और इसकी विकास यात्रा को काफी लाभ मिलेगा। ■

'आयुष्मान भारत' देश के क्रांतिकारी कदमों में से एक: नरेन्द्र मोदी

एक नया मोबाइल ऐप और स्टार्ट अप ग्रैंड चैलेंज शुरू

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 अक्टूबर को नई दिल्ली में आरोग्य मंथन के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना– आयुष्मान भारत के लिए एक नया मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। इसका लक्ष्य देश के 10.70 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री ने 'आयुष्मान भारत' प्रधानमंत्री- जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के चुनिंदा लाभार्थियों के साथ बातचीत की। उन्होंने पीएम-जेएवाई पर प्रदर्शनी भी देखी, जिसमें पिछले एक वर्ष के दौरान योजना से जुड़े क्रिया-कलापों को दर्शाया गया। इस अवसर पर श्री मोदी ने 'आयुष्मान भारत स्टार्ट-अप ग्रैंड चैलेंज' की शुरुआत की और स्मारक टिकट भी जारी किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत का पहला वर्ष संकल्प, समर्पण और परस्पर शिक्षण का वर्ष रहा है। उन्होंने कहा कि अपने दृढ़ संकल्प के कारण हम अपने देश में विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना को सफलतापूर्वक चला रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के प्रत्येक गरीब और प्रत्येक नागरिक के लिए चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि इस सफलता के पीछे समर्पण की एक भावना है और यह समर्पण देश के प्रत्येक राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेश से जुड़ा है।

श्री मोदी ने कहा कि रोग से मुक्त होने के लिए देश के लाखों गरीब लोगों के बीच आशाएं जगाना एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में यदि इलाज के लिए कोई व्यक्ति जमीन, मकान, जेवर अथवा कोई अन्य वस्तु बंधक रखने अथवा बेचने से बचा हो, तो यह आयुष्मान भारत की एक बड़ी सफलता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में लगभग 50,000 गरीब लोगों ने अपने जिले और राज्य से बाहर जाकर पीएम-जेएवाई के तहत लाभ प्राप्त किए, जहां उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकती थीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत देश के क्रांतिकारी कदमों में से एक है और यह केवल इस कारण से नहीं है कि आम लोगों का जीवन बचाने में इसकी एक महत्वपूर्ण भूमिका है, बल्कि यह देश के 130 करोड़ लोगों के समर्पण और ताकत का एक प्रतीक भी है।

उन्होंने कहा कि 'आयुष्मान भारत' सम्पूर्ण भारत के लिए एक सामूहिक समाधान होने के साथ-साथ स्वस्थ भारत के लिए एक सम्पूर्ण समाधान भी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की सोच का एक विस्तार है, जिसके तहत हम भारत की समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए टुकड़ों में सोचने के बदले सम्पूर्णता के साथ काम कर रहे हैं। आयुष्मान भारत से देश के किसी हिस्से में मरीजों का बेहतर उपचार सुनिश्चित होता है।

आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई के एक वर्ष पूरा होने पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा 'आरोग्य मंथन' आयोजित किया गया। पीएम-जेएवाई के सभी महत्वपूर्ण हितधारकों के मुलाकात के लिए और पिछले एक वर्षों में योजना के कार्यान्वयन की चुनौतियों पर चर्चा के लिए तथा कार्यान्वयन में सुधार के लिए नई समझदारी और तौर-तरीके विकसित करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना 'आरोग्य मंथन' के आयोजन का लक्ष्य है। ■

भारत, बांग्लादेश ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये

भारत और बांग्लादेश ने अपने संबंधों को विस्तार देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेशी प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना के बीच वार्ता के बाद 5 अक्टूबर को नई दिल्ली में सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान एलपीजी निर्यात समेत तीन परियोजनाओं का शुभारंभ भी किया गया।

इनमें से एक परियोजना बांग्लादेश से एलपीजी के आयात से संबंधित है। आयातित एलपीजी का भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में वितरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी और श्रीमती हसीना के बीच वार्ता के बाद दोनों देशों ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये जो जल संसाधन, युवा मामलों, संस्कृति, शिक्षा और तटीय निगरानी से संबंधित है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान हुए एमओयू/समझौतों की सूची

क्रम संख्यां	एमओयू/ समझौता/ संधि का नाम
1.	चट्टोग्राम और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)
2.	त्रिपुरा में पेयजल की आपूर्ति के लिए फेनी नदी से भारत द्वारा 1.82 क्यूसेक पानी लिए जाने के लिए एमओयू
3.	भारत सरकार द्वारा बांग्लादेश के लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) में विस्तार को लागू करने के लिए समझौता
4.	हैदराबाद विश्वविद्यालय और ढाका विश्वविद्यालय के बीच एमओयू
5.	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का नवीनीकरण
6.	युवा मामलों में सहयोग पर एमओयू
7.	तटीय निगरानी प्रणाली प्रदान करने पर एमओयू

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''आज की वार्ता भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी।'' श्री मोदी ने कहा, ''मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ तीन और द्विपक्षीय परियोजनाओं का उद्घाटन करने का मौका मुझे मिला है। पिछले एक साल में हमने वीडियो लिंक से 9 परियोजनाएं पेश की है। आज की तीन परियोजनाओं समेत एक साल में हमने एक दर्जन संयुक्त परियोजनाएं शुरू की हैं। इस उपलब्धि पर मैं दोनों देशों के अधिकारियों और सभी नागरिकों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की ये तीन परियोजनाएं तीन अलग-अलग क्षेत्रों— एलपीजी आयात, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक सुविधाओं, से जुड़ी हैं, लेकिन इन तीनों का उद्देश्य है नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना है।

उन्होंने कहा, ''यही भारत-बांग्लादेश संबंधों का मूल मंत्र भी है। भारत-बांग्लादेश साझेदारी का आधार है कि हमारी मित्रता से हर नागरिक का विकास सुनिश्चित हो।'' श्री मोदी ने कहा कि बांग्लादेश से एलपीजी की आपूर्ति दोनों देशों को फायदा पहुंचाएगी। इससे बांग्लादेश में आयात, आय और रोजगार बढ़ेगा। यातायात एवं परिवहन दूरी पंद्रह सौ किलोमीटर कम हो जाने से आर्थिक लाभ भी होगा और पर्यावरण को भी नुकसान कम होगा।

उन्होंने कहा कि दूसरी परियोजना, बांग्लादेश भारत पेशेवर कौशल विकास संस्थान, बांग्लादेश के औद्योगिक विकास के लिए कुशल मानव संसाधन और तकनीकी टेक्निशियन तैयार करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ढाका के रामकृष्ण मिशन में विवेकानंद भवन की परियोजना अपने आप में अहम है।

उन्होंने कहा कि बांग्ला संस्कृति की उदारता और खुली भावना की तरह ही इस मिशन में भी सभी पन्थों को मानने वालों के लिए स्थान है और यह मिशन हर सम्प्रदाय के उत्सव को समान रूप से मनाता है। भवन में 100 से अधिक यूनिवर्सिटी छात्रों और शोधार्थियों के रहने की व्यवस्था की गई है।

श्री मोदी ने कहा, ''भारत बांग्लादेश के साथ अपनी साझेदारी को प्राथमिकता देता है। हमें गर्व है कि भारत-बांग्लादेश संबंध दो मित्र पड़ोसी देशों के बीच सहयोग का पूरी दुनिया के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। मुझे खुशी है कि हमारी आज की बातचीत से हमारे संबंधों को और भी ऊर्जा मिलेगी।'' ■

दिल्ली-कटरा 'वंदे भारत' रेलगाड़ी से जम्मू कश्मीर के विकास को गति मिलेगी: अमित शाह

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

केंद्रीय गृह मंत्री व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 3 अक्टूबर को नई दिल्ली से कटरा 'वंदे भारत' रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि आज रेलवे ने जम्मू कश्मीर को बहुत बड़ा तोहफा दिया है।

उनका कहना था कि जम्मू कश्मीर के विकास के लिए धार्मिक पर्यटन का बड़ा महत्व है, देश के हर नागरिक की इच्छा रहती है कि पहाड़ों पर विराजमान मां वैष्णो देवी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद सभी धार्मिक स्थानों की यात्रा को सरल तथा सुगम बनाया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की मनोकामना पूर्ण हो सके।

श्री अमित शाह ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी जी वह महामानव थे जिन्होंने न केवल भारत अपितु पूरी दुनिया का जीवन को देखने का नजरिया बदल दिया। गांधी जी ने अपने काम से पूरी दुनिया को एक नया दर्शन देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सिद्धांत शाश्वत हैं जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

श्री शाह ने कहा कि 'स्वदेशी' गांधीजी का एक सबसे बड़ा नारा था, जो पूरी तरह से स्वदेश में निर्मित गाड़ी 'वंदे भारत' द्वारा साकार किया गया है। उनका कहना था कि मोदी जी की प्रेरणा से रेल विभाग ने गांधीजी की कल्पना को चरितार्थ करने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि मोहनदास से महात्मा बनने का काम रेल के डिब्बे से ही शुरू हुआ था और जिस ब्रिटिश काल का कभी सूर्य अस्त नहीं होता था उसे देश से जाना पड़ा।

श्री अमित शाह ने यह भी कहा कि जब बापू के सामने यह सवाल आया कि इस देश को जानना चाहिए, विशाल देश की जनता को आजादी के आंदोलन के साथ जोड़ने की आवश्यकता है, तब गांधी जी ने रेलवे का सहारा लिया। रेलवे के माध्यम से बापू 6 साल तक पूरे भारत में आम-जन के साथ आत्मीयता से जुड़े, विशाल देश की समस्याओं को समझा और गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अपने साथ जोड़ने का काम किया।

उन्होंने कहा कि रेल विभाग को गांधी और रेलवे के संबंध को रेखांकित करने

का काम करना चाहिए ताकि आमजन को पता चले कि रेलवे के साथ बापू किस प्रकार जुड़े थे। श्री अमित शाह ने बापू के विभिन्न आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने रेलवे से आजादी के आंदोलन को जोड़ा और रेलवे का उपयोग कर आजादी दिलाने का काम किया।

उनका कहना था कि देश को 5 ट्रिलियन इकोनामी बनाने के श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर करने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। श्री शाह ने कहा कि रेलवे के द्वारा विगत 5 वर्षों में विभिन्न परियोजनाओं में बहुत तेजी आई है और रेलवे स्टेशन, डिपो आदि के निर्माण कार्य द्रुत गति से हो रहे हैं। उनका कहना था कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण भारतीयकरण करने का काम किया जा रहा है।

श्री शाह ने कहा कि हर भारतीय के मन में था कि धारा 370 हटाई जाये और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 तथा 35ए हटाने का एतिहासिक कदम लिया गया। उन्होंने कहा कि आज धारा 370 और 35ए इतिहास का हिस्सा बन चुकी है। धारा 370 केवल देश की एकता और अखंडता के लिए ही नहीं, बल्कि कश्मीर के विकास में भी बाधक थी।

उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद कश्मीर के अंदर आतंकवाद और आतंकवादियों की विचारधारा को संपूर्ण उन्मूलन करने में सफलता प्राप्त हुई है। धारा 370 के कारण कश्मीर के विकास में जो अवरोध थे उन सभी अवरोधों को हटाने का काम किया जा चुका है। श्री शाह ने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में कश्मीर देश का सबसे विकसित राज्य होगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ाने में 'वंदे भारत' रेलगाड़ी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे का बहुत बड़ा इतिहास रहा है। देश को जोड़ने में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लंबे समय से भारत की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने में रेल विभाग कार्य कर रहा है। श्री शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री जी ने कल्पना की थी कि पूरे देश में रेल का नेटवर्क सुदृढ़ किया जाए जिसमें रेल मंत्रालय तेज गति से काम कर रहा है। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि रेलवे ने जिस तरह से मोदी जी के संकल्प मेक इन इंडिया को अपनाया है वह सराहनीय है। ■

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के डासना-हापुड़ खंड का उद्घाटन

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में प्लास्टिक कचरे के इस्तेमाल की शुरुआत

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के पिलखुआ में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (पैकेज-3) के डासना-हापुड़ खंड का 30 सितंबर को उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री गडकरी ने कहा कि दिल्ली-मेरठ राजमार्ग क्षेत्र में समृद्धि लाएगा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से भीड़-भाड़ कम करने में मदद करेगा। इसके बन जाने से यात्रा समय में 1 घंटे से अधिक की कमी आएगी और प्रदूषण स्तर में महत्वपूर्ण कमी लाएगा।

उन्होंने कहा कि राजमार्ग और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का सीधा संबंध किसी क्षेत्र के विकास से है। श्री गडकरी ने घोषणा की कि इस सड़क (पैकेज 2) का गाजीपुर-डासना खंड को अगले तीन महीनों में पूरा कर लिया जाएगा और पूरा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे छह महीने के भीतर तैयार हो जाएगा।

गौरतलब है कि 82 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिल्ली को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मेरठ से जोड़ता है। परियोजना पर 8,346 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है।

गाजियाबाद में डासना से हापुड़ तक तीसरा पैकेज 22 किलोमीटर से अधिक लंबा है। इसकी लागत 1058 करोड़ रुपये है। इस 6-लेन के खंड में दोनों तरफ 2+2 लेन की सर्विस रोड हैं, और पिलखुआ में 4.68 किलोमीटर लंबा 6-लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर है। इसमें सात नए पुल, हापुड़ बाईपास पर एक फ्लाईओवर, 11 वाहन अंडरपास, दो पैदल अंडरपास, दो फुट ओवरब्रिज, छह प्रमुख जंक्शन और 105 छोटे जंक्शन हैं।

पिलखुआ में 4.68 किलोमीटर लंबे 6-लेन के एलिवेटेड कॉरिडोर को निर्माण प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है और इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की उत्कृष्ट ठोस संरचना के रूप में भी पुरस्कृत किया गया है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे परियोजना चार पैकेजों में कार्यान्वित की जा रही है- (i) दिल्ली में सराय काले खां से गाजीपुर सीमा तक 8.72 किलोमीटर लंबा 6-लेन का एक्सप्रेसवे/8-लेन एनएच 24, पहले ही जून 2018 में पूरा हो चुका है, (ii) 19.28 किमी लंबा 6-लेन का एक्सप्रेसवे/8-लेन एनएच 24, उत्तर प्रदेश में गाजीपुर बॉर्डर से डासना तक, (iii) 22.23 किमी लंबा 6-लेन एनएच 24, 2+2 लेन सर्विस सड़कों के साथ उत्तर प्रदेश के डासना से हापुड़ तक और (iv) हापुड़ से मेरठ तक 31.78 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड 6-लेन एक्सप्रेस-वे।

श्री नितिन गडकरी ने दिल्ली-गाजियाबाद सीमा पर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग का भी शुभारंभ किया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय राजमार्ग निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग को प्रोत्साहित कर रहा है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों के 50 किलोमीटर की परिधि में राष्ट्रीय राजमार्गों पर जिनकी आबादी 5 लाख या उससे अधिक है।

धौला कुआं के पास हाल ही में NH-48 पर बेकार प्लास्टिक का उपयोग करके सड़क का एक हिस्सा बनाया गया है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और गुरुग्राम-सोहना रोड पर प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके निर्माण की योजना बनाई गई है।

प्लास्टिक कचरे का उपयोग पहले ही तमिलनाडु और केरल राज्यों में प्रमुखता के आधार पर किया जा चुका है। 4 लेन के राजमार्ग के 1 किलोमीटर के निर्माण में लगभग 7 टन प्लास्टिक कचरे का निपटान करने में मदद मिल सकती है।

भारत में प्रयोगशाला के साथ-साथ क्षेत्र में किए गए अध्ययन से सड़क निर्माण के लिए बिटुमिनस मिश्रण में प्लास्टिक कचरे के इस्तेमाल के अनेक लाभों की पहचान की गई है; इसमें उच्च प्रतिरोध क्षमता है अधिक समय तक टिकाऊ है और स्थायित्व में सुधार लाता है। यह मिश्रण में बिटुमन की खपत कम कर देता है। बेकार प्लास्टिक को जोड़ने से प्लास्टिक के कूड़े के ढेर पर अंकुश लगाने में काफी मदद मिलेगी। इसके अलावा आने वाले वर्षों में प्लास्टिक कचरे के निपटान में मदद मिलेगी। ■

रडार को मात देने वाला युद्धपोत 'आईएनएस नीलगिरि' का जलावतरण

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 28 सितंबर को रडार को मात देने वाला युद्धपोत 'आईएनएस नीलगिरि' का जलावतरण किया। श्री सिंह ने कहा कि सरकार भारत के समुद्री हितों के लिए किसी भी पारंपरिक और अपारंपरिक खतरों से निपटने के लिए नौसेना के आधुनिकीकरण और बेहतरीन प्लेटफार्मों, हथियारों और सेंसर से लैस करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। श्री सिंह मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में नौसेना के सात नए स्टील्थ फ्रिगेट्स (रडार को मात देने वाला युद्धपोत) में से पहले युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि के लॉन्च के अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि मूल्य के हिसाब से भारत का 70% और मात्रा के लिहाज से 95% व्यापार समुद्री मार्ग से हो रहा है। उन्होंने कहा कि समुद्री डकैती, आतंकवाद या संघर्ष के कारण समुद्री व्यापार में मामूली व्यवधान भी देश की आर्थिक वृद्धि एवं कल्याण पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना डिजाइन महानिदेशालय ने 19 से अधिक जहाजों का डिजाइन तैयार किया है, जिनके आधार पर 90 से अधिक जहाजों का निर्माण किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत आज उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल है जो खुद अपने विमान वाहक एवं सामरिक युद्धपोत का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा, "विभिन्न शिपयार्डों को अब तक मिले कुल 51 जहाजों एवं पनडुब्बियों के ऑर्डर में से 49 का निर्माण स्वदेशी तौर पर किया जा रहा है। यह 2025 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और 2027 तक 70% रक्षा स्वदेशीकरण के हमारे लक्ष्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है।"

रक्षा मंत्री ने कहा कि जहाज निर्माण उद्योग में काफी श्रमबल की जरूरत होती है और इसमें न केवल अपने क्षेत्र बल्कि विभिन्न अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम उद्योगों के लिए रोजगार सृजन की अपार क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा, "एक जीवंत जहाज निर्माण उद्योग देश के समग्र आर्थिक विकास में प्रमुख भूमिका निभा सकता है।"

उन्होंने कहा कि एक युद्धपोत के निर्माण से 8 साल की अवधि के लिए 4,800 कर्मियों को प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 27,000 कर्मियों को अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलता है। कुल युद्धपोत लागत का लगभग 87% रकम भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश की जाती है जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ■

मंडी (हिमाचल प्रदेश)

'भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी, अब बनना है उत्कृष्ट'

गत 9 अक्टूबर को मंडी (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकर्ताओं और जनता ने भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के अलावा सभी राजनीतिक पार्टियां वंशवाद को बढ़ावा देती हैं। लेकिन भाजपा में हर आम आदमी को समान तवज्जो दी जाती है, उस पर भरोसा किया जाता है। यही वजह है कि पार्टी के सामान्य कार्यकर्ता आज प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री जैसे पदों को सुशोभित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा इस वक्त सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, पर अब भाजपा को उत्कृष्ट पार्टी बनाना है। श्री नड्डा ने कहा कि 54 दिन में भाजपा 11 से 17 करोड़

की सदस्यता वाली पार्टी बन गई। हम अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने वाली पार्टी बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन व जीत के बाद हम जम्मू व कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने में कामयाब हो पाए हैं। उन्होंने छोटे कार्यकर्ता से लेकर बड़े नेता को जमीन से जुड़कर काम करने के लिए कहा। श्री नड्डा ने आगे कहा कि मोदी सरकार में घोटालों की गंगा पर रोक लगी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह, श्री नितिन गडकरी व श्री राजनाथ सिंह का इस जिम्मेदारी के लिए हिमाचल की जनता की तरफ से आभार जताता हूं। मैं अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाऊंगा। इस मौके पर मौजूद भाजपा के वरिष्ठर नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के लिए भाग्यशाली है। छोटे से प्रदेश हिमाचल से केंद्र में मंत्री तो जरूर बने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बने थे। श्री नड्डा इस पद पर पहुंचे, उन्हें मेरा प्यार व आशीर्वाद है। इस मौके पर मुख्यमंत्री सर्वश्री जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतपाल सत्ती, कांगड़ा से सांसद किशन कपूर, उद्योग मंत्री बिक्रम ठाकुर आदि उपस्थित थे। ■

नये तरह के नशे से युवाओं को बचाने के लिए ई-सिगरेट पर लगाया गया प्रतिबंध: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से तंबाकू का नशा छोड़ने की अपील करते हुए 29 सितंबर को कहा कि युवाओं को नशे के नये तरीके से बचाने के लिए "ई-सिगरेट" पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। केंद्रीय कैबिनेट ने इसी महीने एक अध्यादेश के जरिये ई-सिगरेट की बिक्री, उत्पादन और भंडारण पर एक अध्यादेश के जरिये प्रतिबंध लगा दिया था। संसद के आगामी सत्र में इस अध्यादेश को एक विधेयक में तब्दील किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी पर प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में अपने संबोधन में यह भी कहा कि ई-सिगरेट के बारे में यह गलत धारणा फैलाई गई है कि इससे कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि सामान्य या परंपरागत सिगरेट की तरह यह (ई-सिगरेट) दुर्गंध नहीं फैलाता, क्योंकि इसमें खुशबू पैदा करने वाले रसायन डाले गये होते हैं। लेकिन ये रसायन नुकसानदेह होते हैं और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ई-सिगरेट के बारे में कोई भी गलतफहमी नहीं पालें।" उन्होंने ई-सिगरेट पर प्रतिबंध का जिक्र करते हुए कहा चर्चा चलती रहेगी, समर्थन और विरोध भी जारी रहेगा। लेकिन यदि किसी चीज को तेजी से फैलने से पहले रोक दिया जाता है, तब बड़ा फायदा होता है।

उन्होंने कहा, "...ई-सिगरेट पर प्रतिबन्ध इसलिए लगाया गया है कि नशे का यह नया तरीका हमारे युवा देश को तबाह न कर सके। यह किसी परिवार के सपनों को रौंद न डाले। बच्चों की जिंदगी बर्बाद न हो जाए। ये व्यसन, ये आदत समाज में जड़ें न जमा सके।"

श्री मोदी ने कहा, "सिगरेट से होने वाले नुकसान के बारे में कोई भ्रम नहीं है। यह नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान करने वाला और इसे बेचने वाला जानता है कि इससे क्या नुकसान होता है।" उन्होंने कहा, "लेकिन ई-सिगरेट का मामला बिल्कुल अलग है। ई-सिगरेट के बारे में लोगों में बहुत कम जागरूकता है। वे इसके खतरे से भी पूरी तरह से अनजान हैं और इस कारण कभी-कभी जिज्ञासा के चलते ई-सिगरेट के नशे की लत पड़ जाती है।"

प्रधानमंत्री ने लोगों से तंबाकू का नशा छोड़ने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि ई-सिगरेट निकोटिन की लत पड़ने का एक नया तरीका है। उन्होंने कहा, "जैसेकि कोई मैजिक शो चल रहा हो, बच्चे कभी-कभी अपने माता पिता की मौजूदगी में सिगरेट जलाए बगैर या माचिस की तीली जलाये बगैर धुआं निकाल देते हैं।"

उन्होंने कहा, "परिवार के सदस्य तालियों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। कोई जागरूकता नहीं है। कोई जानकारी नहीं है...हमारे किशोर या हमारे युवा...इस नशे की गिरफ्त में जा रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि सामान्य सिगरेट से अलग ई-सिगरेट में निकोटिन युक्त तरल पदार्थ को गर्म करने से एक प्रकार का रसायन युक्त धुंआ बनता है। इसमें नुकसानदायक रसायन होते हैं और लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन करने वालों को कैंसर, मधुमेह, ब्लॅडप्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है। हर कोई कहता है कि ऐसा उसमें मौजूद निकोटिन के कारण होता है।

किशोरावस्था में इसके सेवन से दिमाग भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा, "आइये, हम सब मिलकर एक स्वस्थ भारत का निर्माण करें।"

गौरतलब है कि भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार ने 18 सितंबर को ई-सिगरेट और इस तरह के उत्पादों के उत्पादन, आयात और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे लोगों, खासतौर पर युवाओं के स्वास्थ्य के खतरे का जिक्र करते हुए यह कदम उठाया गया।

ई-सिगरेट के भंडारण पर छह महीने तक की कैद की सजा या 50,000 रुपये तक का जुर्माना या एक साथ दोनों सजाओं का प्रावधान है। इस सिलसिले में 19 सितंबर को अध्यादेश जारी किया गया था। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)................................ (2)..................................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :.................................. दिनांक :.............................. बैंक : ....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

दिल्ली स्थित विभिन्न स्थलों पर 'विजयादशमी' का पर्व मनाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

न्यूयॉर्क (यूएसए) में संयुक्त राष्ट्र संघ के सत्र के इतर अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प से मिलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

चैन्नई स्थित आईआईटी मद्रास में सिंगापुर भारत हैकाथन, 2019 को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

न्यूयॉर्क (यूएसए) में एक गोलमेज सम्मेलन के दौरान सीईओ के ग्रुप के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दिल्ली में विजय घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19